वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
साकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 186 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, गुरुवार 16 जुलाई, 2026 www.sakarbharat.com

बस्तर को देश का अग्रणी जनजातीय संभाग बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे कदम : मुख्यमंत्री

सुरक्षा बलों के साहस, स्थानीय जनसहयोग और पुनर्वास नीति से मिली निर्णायक सफलता: सीएम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में नक्सलवाद से मुक्ति के लिए केंद्र सरकार के ऐतिहासिक सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ ने दशकों तक नक्सल हिंसा के रूप में एक गंभीर चुनौती का सामना किया है। अब केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस तथा बस्तर की जनता के विश्वास और सहयोग से प्रदेश इस चुनौती से निर्णायक रूप से मुक्त होकर शांति, सुरक्षा और विकास के नए युग में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि यह सफलता अनेक वर्षों के सतत प्रयासों, सुनियोजित रणनीति, सुरक्षा बलों के पराक्रम तथा आम नागरिकों के सहयोग का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध संघर्ष में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका त्याग और समर्पण सदैव राष्ट्र को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला पुलिस बल, विशेष सुरक्षा इकाइयों तथा अभियान में सहभागी सभी सुरक्षा एजेंसियों के साहस, समर्पण और व्यावसायिक दक्षता की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए समन्वित सुरक्षा एवं विकास आधारित रणनीति अपनाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सुरक्षा अभियानों की सतत समीक्षा, संसाधनों की उपलब्धता तथा केंद्र

और राज्य के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया गया, जिससे अभियान को अपेक्षित गति मिली।

उन्होंने कहा कि 24 अगस्त 2024 को रायपुर में आयोजित नक्सल प्रभावित राज्यों के पुलिस महानिदेशकों की उच्च स्तरीय बैठक के बाद नक्सलवाद के समूल उन्मूलन के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार की गई। इसके अनुरूप सुरक्षा अभियानों को गति देने के साथ-साथ विकास कार्यों का भी समानांतर विस्तार किया गया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने भी अभियान की नियमित समीक्षा की। स्वयं उन्होंने बस्तर क्षेत्र का लगातार दौरा कर सुरक्षा बलों का उत्साहवर्धन किया तथा विभिन्न गांवों में पहुंचकर स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने सुरक्षा अभियानों के साथ-साथ समाज के उन लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया, जिन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने की इच्छा व्यक्त की। इसी उद्देश्य से आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास के लिए व्यापक और मानवीय नीति लागू की गई।

उन्होंने कहा कि पुनर्वास नीति के अंतर्गत आत्मसमर्पित व्यक्तियों को आर्थिक सहायता, भूमि, कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वरोजगार तथा सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध कराए गए। इससे बड़ी संख्या में लोगों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नीति केवल पुनर्वास तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधानसभा में कहा कि नक्सलवाद से मुक्ति का अभियान केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके साथ-साथ विकास को भी समान प्राथमिकता दी गई। राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि जिन क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो रही है, वहां शासन की योजनाएं और बुनियादी सुविधाएं भी तेजी से पहुंचें, ताकि लोगों के जीवन में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन आए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से सेवा सेतु बना सुशासन का सशक्त डिजिटल माध्यम

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन और डिजिटल प्रशासन को नई गति देने वाला सेवा सेतु पोर्टल आज आम नागरिकों के लिए शासकीय सेवाओं तक आसान, पारदर्शी और समयबद्ध पहुंच का सशक्त माध्यम बन गया है। इस अभिनव पहल के माध्यम से प्रदेश के नागरिकों को अब 441 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता काफी हद तक समाप्त हो गई है।

सेवा सेतु पोर्टल का लाभ प्रदेशभर के नागरिकों को मिल रहा है। इसी क्रम में बलरामपुर जिले की सुश्री संतोषी सिंह को भी इस व्यवस्था से राहत मिली। उन्होंने निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। प्रारंभिक परीक्षण के दौरान आवश्यक भूमि संबंधी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने के कारण आवेदन लंबित हो गया था। संबंधित अधिकारियों ने उन्हें वैकल्पिक दस्तावेज प्रस्तुत करने के संबंध में मार्गदर्शन दिया। इसके बाद उन्होंने 15 वर्ष के निवास संबंधी प्रमाण एवं जन्म संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत किए। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद उनका निवास प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सेवा सेतु के माध्यम से उनकी वर्षों पुरानी समस्या का सहज समाधान हो गया।

अमानक दवा खरीद पर विधानसभा में घमासान

सरकार ने कहा- गुजरात में ब्लैकलिस्ट दवा नहीं खरीदी

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन दवा खरीद का मुद्दा सदन में जोरदार ढंग से गूंजा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अनुपस्थिति में कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव ने अमानक दवाओं और यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड से एस्पिरिन की खरीद को लेकर सरकार को घेरा। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्पष्ट किया कि गुजरात में ब्लैकलिस्ट की गई दवा की खरीद छत्तीसगढ़ में नहीं की गई।

प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष ने एस्पिरिन समेत अन्य अमानक दवाओं की खरीद को लेकर सरकार से जवाब मांगा। विधायक अटल श्रीवास्तव ने पूछा कि जिन दवाओं पर दूसरे राज्यों में रोक लग चुकी थी, उनकी खरीद छत्तीसगढ़ में कब और कितनी मात्रा में की गई। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि किसी कंपनी की दवा गुजरात में ब्लैकलिस्ट हो चुकी थी, तो उसे राज्य में खरीदने की प्रक्रिया क्यों जारी रही और गरीब मरीजों को ऐसी दवाएं उपलब्ध कराने की नौबत क्यों आई।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सदन में बताया कि गुजरात सरकार ने यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड की कुछ एस्पिरिन दवाओं को ब्लैकलिस्ट किया था, जिसकी जानकारी 25 मार्च 2026 को छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (ष्टत्रस्रूष्ट) को प्राप्त हुई।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में खरीदी गई दवा एस्पिरिन 75 एमजी (अनकोटेड) थी, जबकि गुजरात में जिस दवा को ब्लैकलिस्ट किया गया था, वह अलग उत्पाद था। इसलिए गुजरात में प्रतिबंधित दवा की खरीद राज्य में नहीं हुई।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि गुणवत्ता संबंधी सूचना मिलते ही सरकार ने एहतियाती कदम उठाते हुए यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड की एस्पिरिन 75 एमजी (अनकोटेड) के सभी खरीद आदेश तत्काल रद्द कर दिए। साथ ही कंपनी के साथ किया गया रेट कॉन्ट्रैक्ट भी समाप्त कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि सरकार मरीजों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और गुणवत्ता संबंधी शिकायत मिलते ही आवश्यक कार्रवाई की गई।

विपक्ष ने दवा खरीद प्रक्रिया, गुणवत्ता परीक्षण और जिम्मेदारी तय करने के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए पारदर्शिता पर सवाल उठाए। इस पर स्वास्थ्य मंत्री ने दोहराया कि जैसे ही संबंधित जानकारी मिली, सरकार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए खरीद प्रक्रिया रोक दी और जनहित को ध्यान में रखते हुए आवश्यक निर्णय लिए।

SHORT NEWS

जशपुर पुलिस ने पकड़ा सवा करोड़ का गांजा, 2 अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

जशपुर। ऑपरेशन 'आघात' के तहत जशपुर पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 1 करोड़ 21 लाख रुपये मूल्य का 552 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। इस कार्रवाई में दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जबकि पुलिस की घेराबंदी देखकर कुछ आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ओडिशा से तस्करी कर लाया जा रहा 552 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 21 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस ने मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। वहीं, पुलिस की कार्रवाई के दौरान कुछ आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए, जिनकी तलाश के लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

कार्रवाई के दौरान तस्करी में इस्तेमाल की जा रही तीन लग्जरी कारें- इनोवा, ब्रेजा और आर्टिगा को भी जब्त किया गया है।

अबूझमाड़ का स्वाद पहुंचा विधानसभा-अरक चावल की महक से

रायपुर। अरक (अथवा अरवा) चावल बिना उबाले (कच्चे) धान से तैयार किया गया चावल है। यह अपनी प्राकृतिक सुगंध, खिले हुए दानों और पोषक तत्वों के लिए जाना जाता है। पारंपरिक खेती के तरीकों से उगाए जाने वाले इन चावलों में एक खास सुगंध होती है जो पकने के दौरान पूरी रसोई को महका देती है।

नारायणपुर के घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसी अबूझमाड़ की सदियों पुरानी पाक संस्कृति ने आज छत्तीसगढ़ विधानसभा के गलियारों में अपनी अनूठी छाप छोड़ी। विधानसभा परिसर में आयोजित एक विशेष खाद्य प्रदर्शनी में जब जनप्रतिनिधियों के सामने अबूझमाड़ के पारंपरिक और स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन परोसे गए, तो हर कोई इस समृद्ध विरासत का मुरीद हो गया। ?यह आयोजन केवल व्यंजनों का प्रदर्शन मात्र नहीं था, बल्कि नारायणपुर की जनजातीय संस्कृति, स्थानीय कृषि उत्पादों और महिला सशक्तिकरण की एक शानदार सफलता की कहानी है।

मार्गदर्शन और सामूहिक प्रयासों से मिली नई पहचान

अबूझमाड़ के इन पारंपरिक स्वादों को सुदूर अंचलों से निकालकर राज्य के शीर्ष सदन तक पहुँचाने का यह सफर आसान नहीं था। इस पूरी पहल को धरातल पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। वन मंत्री श्री केदार कश्यप और नारायणपुर कलेक्टर,जिनके मार्गदर्शन और दूरदर्शी प्रयासों ने इस आयोजन को एक बड़े मंच पर स्थापित किया।

इस विशेष आयोजन में सबसे बड़ा आकर्षण रहा अबूझमाड़ का पारंपरिक श्अरक चावलश्। हल्के पीले रंग और अपनी भीनी-भीनी प्राकृतिक खुशबू के लिए पहचाने जाने वाले इस चावल से बनी खीर ने विधानसभा में मौजूद सभी मंत्रियों, विधायकों और अतिथियों का दिल जीत लिया।

छत्तीसगढ़ की मनोहारी पर्यटन छटा से अभिभूत हुए, पूर्व पर्यटन महानिदेशक, भारत सरकार

रायपुर। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की पूर्व महानिदेशक श्रीमती मीनाक्षी शर्मा ने पहली बार पर्यटक के रूप में छत्तीसगढ़ का विस्तृत भ्रमण कर प्रदेश के पर्यटन वैभव, प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और आत्मीय आतिथ्य की मुक्त कंठ से सराहना की। अपनी 14 दिवसीय यात्रा के दौरान उन्होंने प्रदेश के प्रमुख

पर्यटन स्थलों का अवलोकन किया और कहा कि छत्तीसगढ़ ऐसा पर्यटन गंतव्य है, जहां प्रकृति, संस्कृति, इतिहास, आध्यात्मिकता और रोमांच का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यह प्रदेश देश के प्रत्येक पर्यटक की यात्रा सूची में अवश्य होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि लंबे समय तक भारत के पर्यटन क्षेत्र में कार्य करने के बावजूद उन्हें पहली बार पर्यटक के रूप में छत्तीसगढ़ आने का अवसर मिला और यह यात्रा उनके लिए अत्यंत सुखद एवं अविस्मरणीय रही।

बस्तर में प्रारंभिक शिक्षा का नया मॉडल : आंगनबाड़ी बनी बच्चों के सपनों की पाठशाला

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रारंभिक बाल शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में बस्तर जिले के ग्राम पंचायत पिपलावंड के मारीपारा आंगनबाड़ी केंद्र ने एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। मनरेगा और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से निर्मित यह आधुनिक आंगनबाड़ी केंद्र अब केवल बच्चों के पोषण और देखभाल का केंद्र नहीं, बल्कि आकर्षक, सुरक्षित और नवाचार आधारित प्रारंभिक शिक्षा का सशक्त माध्यम बन गया है। पहले जर्जर भवन में संचालित होने वाले इस आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को पढ़ाई और गतिविधियों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ग्राम पंचायत की पहल पर जनपद पंचायत बस्तर के माध्यम से नवीन भवन की स्वीकृति प्राप्त की गई। वर्ष 2024-25 में कुल 11.69 लाख रुपये की लागत से भवन का निर्माण कराया गया।

पुदुचेरी में संसदीय समिति के अध्ययन दौरे पर पहुंचे सांसद बृजमोहन अग्रवाल, नई शिक्षा नीति और उच्च शिक्षा की चुनौतियों पर हुई समीक्षा

पुदुचेरी/रायपुर। रायपुर सांसद एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के आधिकारिक अध्ययन दौरे के तहत पुदुचेरी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने देश के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों, कुलपतियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में भाग लिया। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन, उच्च शिक्षा संस्थानों के समक्ष मौजूद चुनौतियों तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में पुदुचेरी सरकार के उच्च शिक्षा निदेशालय, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (उच्च शिक्षा विभाग), ऑरोविले फाउंडेशन, पुदुचेरी विश्वविद्यालय, पुदुचेरी तकनीकी विश्वविद्यालय तथा एनआईटी पुदुचेरी के प्रतिनिधि एवं कुलपति उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक में सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने उच्च शिक्षण संस्थानों के समक्ष आने वाली व्यावहारिक एवं प्रशासनिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में संस्थानों के लिए बजट उपलब्धता, रिक्त पदों की भर्ती, संविदा कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों, आरक्षण नीति के प्रभावी क्रियान्वयन तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जमीनी स्तर पर लागू करने में आ रही चुनौतियों की समीक्षा की गई। साथ ही संस्थानों

के सुचारू संचालन में आने वाली प्रशासनिक, शासकीय एवं स्थान संबंधी समस्याओं के समाधान पर भी विचार-विमर्श हुआ।

बैठक में फाउंडेशन की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ के पूर्व शिक्षा मंत्री के रूप में अपने अनुभव साझा करते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि उच्च शिक्षा को रोजगारोन्मुखी, नवाचार आधारित और गुणवत्तापूर्ण बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में स्थानीय युवाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शैक्षणिक ढांचे को मजबूत करने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। पुदुचेरी के प्रमुख शिक्षण संस्थानों के अध्ययन से प्राप्त अनुभवों का उपयोग छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने तथा युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए किया जाएगा। इस दौरान समिति ने वहां की नवाचार आधारित शिक्षा प्रणाली, कला, खेल और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए संचालित कार्यक्रमों की जानकारी ली। पूर्व खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रहे बृजमोहन अग्रवाल ने पारंपरिक खेल एवं सांस्कृतिक विधाओं को आधुनिक शिक्षा से जोड़ने के प्रयासों की सराहना की।

अध्ययन दौरे में संसदीय समिति के अध्यक्ष मुकुल वासनिक के अलावा टी. सुमति, रेखा शर्मा, स्वाति मालीवाल, शोभनाबेन महेंद्रसिंह बरैया, जितेंद्र कुमार दोहरे, कामाख्या प्रसाद तासा, जियाउर रहमान, कांस्टेंडाइन रविंद्रन, भीम सिंह, 3सिकंदर कुमार तथा दर्शन सिंह चौधरी सहित समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

खरोरा को प्लास्टिक-मुक्त बनाने की दिशा में सख्त कदम

खरोरा । नगर को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक-मुक्त बनाने के लिए नगर पंचायत खरोरा ने व्यापारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओमप्रकाश सिंह ने व्यापारियों से साफ कहा कि अब दुकानों में प्लास्टिक पॉलीथीन, सिंगल यूज प्लास्टिक और डिस्पोजेबल सामग्री का इस्तेमाल बिल्कुल बंद करना होगा। इसके बजाय पर्यावरण अनुकूल विकल्पों का उपयोग किया जाए। सीएमओ ने दो अन्य जरूरी बातें भी कहीं- हर दुकान पर डस्टबिन रखना अनिवार्य होगा और दुकान का सामान सड़क या निर्धारित सीमा से बाहर नहीं रखा जाएगा, ताकि यातायात सुचारू रहे और नागरिकों को असुविधा न हो।बैठक में व्यापारियों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिन्हें सीएमओ ने गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि नगर के विकास, स्वच्छता और बेहतर बाजार व्यवस्था के लिए व्यापारियों और प्रशासन का आपसी सहयोग जरूरी है। व्यापारियों ने भी पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में समाप्त हुई।

जमीन विवाद में दोहरे हत्याकांड के दोषी को दो आजीवन कारावास

बलौदाबाजार । जिले के थाना राजादेवरी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गिधपुरी में वर्ष 2024 में हुए चर्चित दोहरे हत्याकांड में न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश संजया रात्रे की अदालत ने आरोपी संजय कुमार भोई को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत दो अलग-अलग आजीवन कारावास तथा धारा 109(1) के तहत हत्या के प्रयास के अपराध में 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक अपराध में एक-एक हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। न्यायालय ने सभी सजाएं साथ-साथ चलाने का आदेश दिया है। विशेष लोक अभियोजक अमिय अग्रवाल ने बताया कि 16 जुलाई 2024 की दोपहर ग्राम गिधपुरी में जमीन के बंटवारे को लेकर चल रहे विवाद के कारण आरोपी संजय कुमार भोई अपने चचेरे भाई तीर्थ कुमार भोई के घर पहुंचा और टांगिया से हमला कर दिया। उस समय घर में तीर्थ कुमार की पत्नी तुलसी भोई, पिता शरद कुमार भोई तथा सास पदमा उर्फ पद्मावती भोई मौजूद थीं।

'आरंभ' के तत्वावधान में 'भिलाई ज़िंदाबाद' पर गोष्ठी, वक्ताओं ने रखे विचार, लेखक का सम्मान

भिलाई । प्रगतिशील जन-विचारधारा की साहित्यिक संस्था 'आरंभ' के तत्वावधान में लेखक-पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन की पुस्तक 'भिलाई ज़िंदाबाद कुछ किस्से-कुछ कहानियां' पर चर्चा-विचार गोष्ठी भिलाई निवास के इंडियन कॉफ़ी हाउस सभागार में आयोजित की गई। प्रारंभ में संध्या साटकर ने सरस्वती वंदना की। इसके उपरांत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। स्वागत उद्बोधन 'आरंभ' के अध्यक्ष प्रदीप भट्टाचार्य एवं आयोजकीय वक्तव्य संयोजक शौकत इकबाल ने दिया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि बीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट और स्टील एग्जीक्यूटिव फेडरेशन ऑफ इंडिया (सेफी) के चेयरमैन नरेंद्र कुमार बंछोर ने कहा कि लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन ने अपनी इस किताब में न केवल भिलाई का इतिहास रोचक ढंग से बताया है बल्कि भिलाई के भविष्य को लेकर गहन चिंता भी व्यक्त की है।

उन्होंने भिलाई के समक्ष आ रही चुनौतियों का खास तौर पर जिक्र करते हुए कहा कि आज ऐसी परिस्थिति निर्मित की जा रही है कि किसी न किसी तरह भिलाई को निजीकरण की तरफ मोड़ दिया जाए। 2004 में ऐसा प्रयास किया गया था। लेकिन भिलाई की जनता की खासियत है कि अपनी एकजुटता से इसे नाकाम करती रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बीएसपी ओए और सेफी की तरफ ऐसी किसी भी कोशिश का पुरजोर विरोध किया जाएगा। अपनी बात रखते हुए उन्होंने बताया कि सेक्टर-9 अस्पताल को लेकर भिलाई वासियों की चिंता जायज है। इसके लिए हमने (ओए-सेफी) प्रस्ताव दिया है मैनेजमेंट भी उस दिशा में आगे बढ़ रहा है कि हृदय, किडनी और न्यूरो जैसे विभाग के लिए किसी संस्थान से अनुबंध कर यहां अलग से भवन दिया जाए, जिससे स्थानीय स्तर पर सभी को लाभ मिले।

टाउनशिप के संबंध में उन्होंने बताया कि उपर से यह दबाव जरूर है कि पब्लिक सेक्टर के पास जितनी भी जमीन है उसका मौद्रीकरण किया जाए और जितने पुराने मकान है, उन्हें गिराकर वह जगह किसी फर्म को दी जाए।

इसके लिए ओए-सेफी का प्रस्ताव है कि एनबीसीसी या हाउसिंग बोर्ड जैसे किसी सरकारी उपक्रम को टाउनशिप में ऐसी खाली जगह दी जाए, जहां आवास गिराए जा चुके हैं और अवैध कब्जे हो रहे हैं। जिससे वहां तालपुरी की तरह कालोनी विकसित की जाए और पूरा टाउनशिप उजाड़ने की नौबत न आए। उन्होंने कहा कि भिलाईवासी अपने आप को एक परिवार की तरह मानते हैं और इस परिवार को जो लोग भी तोड़ने का प्रयास करेंगे हम उन्हें सफल नहीं होने देंगे।

इसके पहले लेखक मुहम्मद जाकिर हुसैन ने अपने लेखकीय वक्तव्य में कहा कि- मौजूदा दौर में सार्वजनिक उपक्रम कई तरह की चुनौतियों से रुबरु हो रहे हैं। अब जबकि पूरा परिवेश ही बदल रहा है तो ऐसे में पाठकों को 'भिलाई ज़िंदाबाद' सौंपते हुए कई सवाल मन में उठ रहे हैं कि क्या भिलाई अपने वजूद को बचा पाएगा?

मुँह मीठा कर मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

छुईखदान। नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ के साथ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बुंदेली में उत्साह और उल्लास के बीच शाला प्रवेशोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर नवप्रवेशी विद्यार्थियों का गुलाल वंदन, मुँह मीठा कराकर एवं आत्मीय स्वागत के साथ विद्यालय परिवार में अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत बुंदेली के युवा सरपंच दिवाकर सोनी थे। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की अधिष्ठात्री मां सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। संस्था के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. सियाराम साहू ने विद्यालय की शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी देते हुए अतिथियों का स्वागत एवं परिचय कराया। अपने संबोधन में सरपंच दिवाकर सोनी ने कहा कि विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने व्यक्तिगत स्तर पर तथा ग्राम पंचायत की ओर से हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता ही विद्यालय, अभिभावकों और पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाएगी। उन्होंने कहा, मैं केवल इस गांव का सरपंच ही नहीं, बल्कि इसी विद्यालय का पूर्व छात्र भी हूं। इसलिए इस विद्यालय और यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों के प्रति मेरा विशेष दायित्व है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण किया गया। नवप्रवेशी बच्चों का तिलक, गुलाल वंदन एवं मुँह मीठा कराकर आत्मीय स्वागत किया गया, जिससे विद्यालय का वातावरण उत्सवमय हो उठा।

चक्रधर कथ्थक कल्याण केन्द्र ने पद्म विभूषण डॉ. तिजन बाई को श्रद्धासुमन अर्पित की

राजनांदगांव। चक्रधर कथ्थक कल्याण केन्द्र राजनांदगांव के सभागृह में पद्म विभूषण डॉ. तिजन बाई को श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजली दी गई इस अवसर पर संस्था के संचालक व संस्थापक डॉ. कृष्ण कुमार सिन्हा ने कहा कि, डॉ. तिजन बाई का निधन लोककला के क्षेत्र में अपूर्णिय क्षति है जिसकी भरपाई होना संभव नहीं है । इस अवसर पर उन्होंने उनके साथ बिताए अनेकों अवसरों एवं कार्यक्रमों का संस्मरण भी सुनाया । अशोक चौधरी किसान नेता ने भी डॉ. तिजन बाई को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कला केन्द्र के विद्यार्थियों व कला साधकों से कहा कि कला साधना के साथ शिक्षा भी अति आवश्यक है । बहुत से अच्छे कलाकार शिक्षा के अभाव में कई अच्छे अवसरों से वंचित रह जाते है । संगीत विशारद् अमलेन्दु हाजरा ने कहा कि कला साधक हमेशा चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होता है और कला की साधना से ही अपने जीवन को सवांरता है जो समाज में उच्च और आदर्श नैतिक मुल्यों की स्थापना करने में सहायक है उन्होंने अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि पंडवानी की विधा को जीवित रखना ही डॉ. तिजन बाई को हमारी सच्ची श्रद्धांजली होगी । इस अवसर पर राकेश इंदु भूषण ठाकुर ने डॉ. तिजन बाई को पंडवानी विधा की बहुत अच्छी कला साधक बताते हुए कहा कि वे अपने भाव भंगीमाओं से महाभारत के विभिन्न पात्रों का जीवंत अभिनय करते हुए दर्शकों का मन मोह लेती थी वे विभिन्न देशों में कला प्रदर्शन की किन्तु उस देश के भाषा से वह अनिभिग्य रही ।

शा. उ मा. वि. बड़गांव मे ब्लॉक के शिक्षकों कों दिया गया आई. सी. टी. प्रशिक्षण.

बालोद (महाकोशल)। डौंडीलोहारा ब्लॉक के समीपस्थ शा. उ मा. वि. बड़गांव में पूरे ब्लॉक के व्याख्याता शिक्षकों को डीजी दुनिया प्रोजेक्ट के अंतर्गत आईसीटी एवं स्मार्ट क्लासरूम का प्रशिक्षण दिया गया! जिसमें प्रोजेक्टर से लैपटॉप को कैसे जोड़ा जाता है आईसीटी लैब को संचालित कैसे किया जाता है इस पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया प्रशिक्षण में ब्लॉक भर से करीब 300 शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया मास्टर ट्रेनर प्यारेलाल सिन्हा, युगेन्द्र रात्रे, रजिन्दर भुआर्य का विशेष सहयोग रहा! संस्था प्रमुख जितेंद्र कुमार उइके ने सभी शिक्षकों को स्मार्ट क्लासरूम का उपयोग करके पढ़ाई को स्मार्ट तरीके से पढ़ाने पर विशेष जोर दिये बच्चों को आईसीटी लैब और स्मार्ट क्लासरूम का नियमित उपयोग करके पढ़ाई किया जाए जिससे सिखने समझने में आसानी हो सकें!

बालोद जिला के गुरुर तहसील में आयोजित होगा भव्य समारोह

गंगा मइया मंदिर झलमला में हुई प्रांतीय तैयारी बैठक

बालोद । प्रांत स्तरीय तुलसी दास जन्मोत्सव को समारोह पूर्वक मनाए जाने हेतु विगत दिनों गंगा मइया पावनधाम झलमला में तुलसी मानस प्रतिष्ठान छत्तीसगढ़ की बैठक प्रदेश अध्यक्ष जगदीश देशमुख की अध्यक्षता में संपन्न हुई। भगवान राम तथा महाकवि तुलसी दास जी के विग्रह की पूजा अर्चना कर प्रतिष्ठान के महासचिव राजेंद्र ठाकुर ने एजेंडा के अनुसार बैठक प्रारंभ की जिसमे प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी तुलसी दास जन्मोत्सव को समारोह पूर्वक मनाए जाने हेतु तिथि एवम स्थान पर व्यापक चर्चा हुई। विमर्श के बाद सर्व सम्मति से बालोद जिला के गुरुर तहसील में प्रांत स्तरीय तुलसी दास जन्मोत्सव धूमधाम एवम भव्यता के साथ समारोह पूर्वक मनाए जाने का निर्णय लिया गया। प्रतिष्ठान के जिला अध्यक्ष एवम गुरुर तहसील के अध्यक्ष डा लक्ष्मण ऊमरे एवम जिला कार्यकारिणी द्वारा महारोह की रूपरेखा,स्थान और तिथि पर विमर्श कर प्रांतीय पदाधिकारियों को अवगत कराने की बात कही। तिथि के संबंध में बताया गया कि आगामी 19अगस्त को प्रांत स्तरीय तुलसी दास जन्मोत्सव उल्लास के वातावरण में मनाई जाएगी। प्रतिष्ठान द्वारा मानस गान के लिए आदर्श नियमावली और मानस मंडलियों आई विकृति और फूहड़ता पर व्यापक चर्चा की गई। प्रतिष्ठान को आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न बनाने सभी पदाधिकारियों को आजीवन सदस्यता ग्रहण करने एवम राशि नियमानुसार प्रांतीय कार्यालय में जमा करने आग्रह किया गया। अधिकांश पदाधिकारियों ने प्रतिष्ठान को यथासंभव दान राशि प्रदान की। उपस्थित जिलाध्यक्षों द्वारा आजीवन सदस्यता अभियान की जानकारी दी।

प्रदेश कोषाध्यक्ष छगन यदु द्वारा आय व्यय की जानकारी दी। कुछ जिलों के पुनर्गठन हेतु पदाधिकारी मनोनित किए गए जिसमे धमतरी जिला के लिए चेतन दुलार देवांगन,रेखराज साहू, संगीता निषाद,कवर्धा जिला के लिए रोहित जांघेंल, लाला राम, जांघेंल,सूरज उपाध्याय,दुर्ग जिला के लिए त्रेता चंद्राकर,बलराम साहू,तथा लीलार सिन्हा को प्रभारी नियुक्त किया गया है।

प्राथमिक शाला लालूटोला में मनमानी! कबाड़ी की गाड़ी बुलवाकर बेच दीं पुरानी सरकारी पुस्तकें

छुरिया। विकासखंड छुरिया अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला लालूटोला में शनिवार को शिक्षकों की कथित मनमानी और लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। मिली जानकारी अनुसार विद्यालय में रखी पुरानी सरकारी पुस्तकों को बेचने के लिए बाकायदा कबाड़ी की गाड़ी स्कूल परिसर में बुलवाई गई और पुस्तकों को वाहन में लोड कराकर बाहर भेज दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम के फोटो और वीडियो भी मौजूद हैं। मामला सामने आने के बाद सरकारी शैक्षणिक सामग्री के निस्तारण, विद्यालय प्रबंधन की जवाबदेही और शिक्षा विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सवाल यह है कि सरकारी पुस्तकें आखिर किसकी अनुमति से कबाड़ी को बेची गईं? कबाड़ी की गाड़ी किसने बुलवाई? कितनी रकम में सौदा हुआ और बिक्री से मिली राशि आखिर कहां गई? फोटो-वीडियो मौजूद, अब सवाल—किसकी अनुमति से बेची गईं सरकारी पुस्तकें जानकारी के अनुसार, प्राथमिक शाला लालूटोला में रखी पुरानी सरकारी पुस्तकों को कबाड़ी वाहन में लोड कराकर विद्यालय से बाहर भेजा गया। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इन सरकारी पुस्तकों को बेचने के लिए सक्षम अधिकारी से पूर्व अनुमति ली गई थी क्या पुस्तकों को नियमानुसार अनुपयोगी घोषित किया गया था क्या उनकी सूची तैयार की गई क्या कोई पंचनामा बनाया गया और क्या निर्धारित विभागीय प्रक्रिया का पालन किया गया यदि सरकारी पुस्तकें बेची गई हैं, तो यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि कुल कितनी पुस्तकें बेची गईं, उनका वजन कितना था, किस दर पर सौदा हुआ, बिक्री से कितनी राशि प्राप्त हुई और वह राशि किसके पास गई या कहां जमा की गई फोटो-वीडियो सामने आने के बाद अब मामला केवल मौखिक आरोपों तक सीमित नहीं रह गया है। शिक्षा विभाग को उपलब्ध साक्ष्यों और विद्यालय के सरकारी अभिलेखों की निष्पक्ष जांच कर वास्तविकता सामने लानी चाहिए।

बेचने वाली शिक्षिका और खरीदने वाले कबाड़ी पर होगी एफआईआर या नहीं अब इस मामले में एक बड़ा और गंभीर सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि जांच में यह प्रमाणित होता है कि सरकारी पुस्तकों को बिना सक्षम अनुमति और निर्धारित प्रक्रिया के बेचा गया, तो क्या पुस्तकें बेचने के लिए जिम्मेदार शिक्षिका के खिलाफ विभाग पुलिस में शिकायत देकर एफआईआर दर्ज कराएगा इसके साथ ही यह सवाल भी उठता है कि सरकारी पुस्तकें खरीदने वाले कबाड़ी की भूमिका की जांच होगी या नहीं क्या कबाड़ी को यह जानकारी थी कि जो पुस्तकें वह खरीद रहा है, वे सरकारी विद्यालय की सामग्री हैं क्या पुस्तकों को वापस बरामद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान को मिल रही व्यापक जनभागीदारी

बालोद। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण के अंतर्गत संचालित 'मोर गांव-मोर पानी' महाअभियान प्रदेशभर में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दे रहा है। अभियान के माध्यम से रोजगार सृजन के साथ-साथ जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं हरित विकास के कार्यों को व्यापक गति मिली है। इसी क्रम में बालोद जिले में जिला प्रशासन द्वारा सभी ग्राम पंचायतों, शासकीय कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, स्व-सहायता समूहों तथा सामाजिक संगठनों की सक्रिय सहभागिता से जल संरक्षण के विविध कार्य किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य जहाँ वर्षा हो, जब वर्षा हो- वहीं वर्षा जल का संचयन हो की अवधारणा को व्यवहार में उतारना है।

अभियान के अंतर्गत प्रत्येक शासकीय भवन में रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग तथा सतही वर्षा जल संचयन के लिए रिचार्ज शाफ्ट, डबरी, तालाब एवं ट्रेंच का निर्माण किया गया है। साथ ही हैंडपंपों एवं प्रधानमंत्री आवासों में सोख्ता गड्ढों तथा वर्षा जल संचयन प्रणालियों की स्थापना को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। भू-जल संवर्धन के लिए रिचार्ज पिट, इंजेक्शन वेल, निष्क्रिय बोरवेलों का रिचार्ज, तालाबों का जीर्णोद्धार एवं गहरीकरण, चेकडैम, वाटर एब्जॉर्बिंग ट्रेंच सहित विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण एवं पुनर्जीवन किया गया है।

20 साल बाद पूर्व सरपंच पर 4.40 लाख की रिकवरी, कार्रवाई पर उठे सवाल

खैरागढ़। केसीजी जिले के छुईखदान विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत आमाघाटकादा के पूर्व सरपंच अमृतलाल जंघेल (उर्फ बल्ला जंघेल) के खिलाफ लगभग 4,40,960 की रिकवरी की कार्रवाई शुरू की गई है। प्रशासन की ओर से निर्धारित समय में राशि जमा नहीं करने पर कानूनी कार्रवाई किए जाने की चेतावनी भी दी गई है। जानकारी के अनुसार, अमृतलाल जंघेल वर्ष 2005 से 2010 तक ग्राम पंचायत के सरपंच रहे थे। उनके कार्यकाल के करीब 20 वर्ष बाद यह रिकवरी की कार्रवाई शुरू होने से पूरे मामले को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। पूर्व सरपंच अमृतलाल जंघेल का कहना है कि उन्हें बार-बार नोटिस देकर पेशी के लिए बुलाया जा रहा है, जिससे वे मानसिक रूप से परेशान हैं। उनका दावा है कि उनके कार्यकाल में कराए गए आहता निर्माण, गली कांक्रीटीकरण, इंदिरा आवास, सोसायटी मरम्मत, अटल चौक निर्माण तथा आंगनबाड़ी भवन निर्माण जैसे अधिकांश कार्य समय पर पूरे किए गए थे और उनका इंजीनियर एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा मूल्यांकन तथा सत्यापन भी किया जा चुका था। वहीं, न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), छुईखदान द्वारा पंचायत राज अधिनियम, 1993 की धारा 92 के तहत कार्रवाई के लिए पत्र जारी किया गया है। पत्र में उल्लेख है कि ग्राम पंचायत आमाघाटकादा के कार्यों के लिए दी गई अग्रिम राशि के मूल्यांकन के बाद 4,40,960* की राशि बकाया पाई गई है, जिसकी वसूली की जानी है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत छुईखदान की ओर से भी नोटिस जारी किए जाने की बात सामने आई है। नोटिस में निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं करने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई किए जाने का उल्लेख है।

मानसून की उमस में बढ़ा संक्रमण का खतरा

रायपुर । मानसून के आगमन के साथ भीषण गर्मी से राहत तो मिलती है, लेकिन वातावरण में बढ़ी नमी और उमस के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। कृषि विज्ञान केन्द्र, रायगढ़ जिले की आहार एवं पोषण विशेषज्ञ डॉ. मनीषा चौधरी ने बताया कि इस मौसम में बैक्टीरिया, वायरस और फफूंद तेजी से पनपते हैं, जिससे भोजन और पेय पदार्थ आसानी से दूषित हो सकते हैं। इसके कारण दस्त, फूड पॉइजनिंग, टाइफाइड, वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम और अन्य संक्रमण होने की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में ताजा, पौष्टिक, सुपाच्य और स्वच्छ भोजन का सेवन शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जिला प्रशासन द्वारा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमेश रात्रे एवं पंकज देव के स्थानांतरण होने पर दी गई विदाई

बालोद । जनपद पंचायत गुरूर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमेश रात्रे एवं जनपद पंचायत डौण्डीलोहारा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पंकज देव के स्थानांतरण होने पर जिला प्रशासन द्वारा विदाई दी गई। संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आज आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं अजय किशोर लकरा सहित सभी अधिकारियों ने इन दोनों अधिकारियों के बेहतरीन कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने इन दोनों अधिकारियों को बहुत ही कर्तव्यनिष्ठ, कुशल एवं योग्य अधिकारी बताते हुए इनके कार्यों की भूरी-भूरी सराहना की। मिश्रा ने कहा कि इन दोनों अधिकारियों ने शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि हमारे ये दोनों अधिकारी अपने नए कार्य क्षेत्र में भी अपने बेहतरीन कार्य के बदौलत अपने कार्य कुशलता का अमिट छाप छोड़ेंगे। उन्होंने रात्रे एवं पंकज देव की उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके नई जिम्मेदारी के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी हैं। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील कुमार चंद्रवंशी ने शासन के महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन में इन दोनों अधिकारियों की भूमिका की सराहना करते हुए रात्रे एवं पंकज देव को कार्य के प्रति समर्पित एवं निष्ठावान बताया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक ने इन दोनों अधिकारियों के कार्यों एवं व्यवहार की सराहना करते हुए शासकीय योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए बालोद जिले के पहचान दिलाने में इनकी भूमिका का भी उल्लेख किया। उल्लेखनीय है कि जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उमेश रात्रे का स्थानांतरण मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर सक्ति जिले के जनपद पंचायत डभरा एवं जनपद पंचायत डौण्डीलोहारा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी पंकज देव का बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के जनपद पंचायत पलारी में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर हुआ है। इस अवसर पर कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं अजय किशोर लकरा एवं अन्य अधिकारियों द्वारा इन दोनों अधिकारियों के शॉल, श्रीफल,

बतौली में 234 रसोइयों को मिला प्रशिक्षण, लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी

सरगुजा। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत बतौली विकासखंड के स्कूलों में कार्यरत 234 रसोइयों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बीआरसी भवन के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में रसोइयों को मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और सुरक्षित तरीके से भोजन तैयार करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भोजन बनाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की जाएगी।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी शरदचंद्र मेस्पाल और विकासखंड परियोजना अधिकारी उमेश गुप्ता ने रसोइयों को विद्यालयों में बच्चों की संख्या अधिक होने पर एलपीजी गैस का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।

साथ ही भोजन तैयार करने से पहले व्यक्तिगत स्वच्छता, रसोईघर और बर्तनों की नियमित सफाई तथा मसालों के सुरक्षित रखरखाव के महत्व पर जोर दिया।

प्रशिक्षण में निर्देश दिए गए कि बच्चों को प्रतिदिन निर्धारित मेनू के अनुसार गर्म, ताजा और पौष्टिक भोजन परोसा जाए। फोर्टिफाइड चावल की गुणवत्ता, सब्जियों को अच्छी तरह धोकर पकाने तथा बरसात के मौसम में सोयाबीन बड़ी नहीं परोसने के निर्देश भी दिए गए। बच्चों को टाटपट्टी या बेंच पर बैठाकर भोजन कराने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर लव गुप्ता ने भी रसोइयों को भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ली सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

महासमुंद । कलेक्टर विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक के पश्चात सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने एवं आमजन में जागरूकता बढ़ाने के संबंध में संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, रवि साहू, सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य एवं जिला अधिकारी मौजूद थे। रात्रि के समय सड़कों पर विचरण करने वाले मवेशियों से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु कलेक्टर ने सीईओ, सीएमओ, एनएचआई, पशुपालन विभाग, यातायात विभाग तथा नगरीय निकायों को संयुक्त रूप से अभियान चलाकर मवेशियों को सड़कों से हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पशु मालिकों की पहचान कर उन्हें समझाईश देने तथा उनके विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा चिन्हित दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) एवं नवीन ब्लैक स्पॉट का चिन्हांकन कर वहां आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करने के लिए ।

बढ़ती गर्मी और जल संकट से बचाव का सरल उपाय : सीड बाल, खरसिया के बच्चों ने बनाए हजारों बीज के गोले

खरसिया । गर्मी और जल संकट से बचने के लिए पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज खरसिया में सीड बाल कार्यशाला का आयोजन किया गया। हरिहर धरती संस्था द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित इस कार्यशाला में स्कूल के बच्चों ने उत्साह के साथ हिस्सा लेकर सीड बाल का निर्माण किया।

क्या है सीड बाल

सीड बाल मिट्टी, रेत और खाद का मिश्रण होता है। इसमें बीज मिलाकर छोटा गोला बना दिया जाता है। बारिश में ये गोले खुद-ब-खुद गलकर पौधे उगाते हैं। इसे लगाने के लिए गड्ढा खोदने या नियमित पानी देने की जरूरत नहीं होती, इसलिए यह हरियाली बढ़ाने का सबसे सुगम और सरल तरीका माना जाता है।

बच्चों में दिखा पर्यावरण के प्रति उत्साह कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आसपास के क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाना और युवा पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना था। बच्चों ने मिट्टी और बीज से सीड बाल बनाकर संकल्प लिया कि वे इन्हें खाली जमीन, सड़क किनारे और पार्कों में फेंकेंगे ताकि बरसात में पौधे उग सकें।

हरिहर धरती संस्था ने दिया संदेश

हरिहर धरती संस्था के सदस्यों ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी और जल संकट से आने वाली पीढ़ी को बचाना है तो हरियाली बढ़ाना जरूरी है। वृक्षारोपण के साथ सीड बाल जैसे विकल्पों को अपनाकर आम लोग भी पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य श्री एम.डी. मैत्री, हरिहर धरती संस्था के सदस्य लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर, पत्रकार जगदीश मित्तल, प्रहलाद बंसल, कमल मित्तल सहित स्कूल के सभी शिक्षक और विद्यार्थियों का सहयोग रहा।

जिला भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ की बैठक संपन्न, संगठन विस्तार व शिक्षा संबंधी विषयों पर हुई चर्चा

राजनांदगांव। भारतीय जनता पार्टी जिला शिक्षा प्रकोष्ठ की महत्वपूर्ण बैठक जिला स्तर पर बीते दिवस संपन्न हुई। बैठक में प्रमुख रूप से संगठन की मजबूती, शिक्षा के क्षेत्र में पार्टी की भूमिका, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, सरल एप की जानकारी सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में मुख्या वक्ता के रूप में जिला भाजपा महामंत्री सौरभ कोठारी, पार्षद तथा जिला मीडिया प्रभारी रवि सिन्हा तथा किसान मोर्चा के महामंत्री रमेश सोनवानी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

बैठक की शुरूआत मां भारती, पं. दीनदयाल उपाध्याय, पं. श्यामप्रसाद मुखर्जी तथा छत्तीसगढ़ निर्माता पूर्व प्रधानमत्री अटल बिहारी बाजपेयी के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन से हुआ। शिक्षा प्रकोष्ठ के पहले जिला बैठक में परिचय के आदान प्रदान के बाद समस्त उपस्थितजनों से सरल एप की जानकारी साझा करते हुए पं. दीनदयाल प्रशिक्षण महाभियान अंतर्गत डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म पर सभी से रजिस्ट्रेशन किये जाने का अनुरोध किया गया। जिला बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित जिला भाजपा महामंत्री सौरभ कोठारी ने कहा कि भाजपा द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों को राष्ट्रवादी विचारधारा के अनुरूप जोड़ते हुए स्वच्छ समाज के निर्माण के उद्देश्य से अलग अलग प्रकार के प्रकोष्ठों व मोर्चों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्रकोष्ठ का क्षेत्र व्यापक है, इसलिए इस प्रकोष्ठ में समाज के बुद्धिजीवी वर्ग सहित कतिपय युवाओं को जोड़ा गया है, ताकि भाजपा की मूल विचारधारा को जन जन तक पहुंचाया जा सके।

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे और वित्तीय अनियमितताओं के कथित मामले को कांग्रेस ने निकाली रैली, भाजपा पर साधा निशाना

राजनांदगांव । छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर शहर एवं ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चढ़ावे और कथित वित्तीय अनियमितताओं के विरोध में जयस्तंभ चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता एकत्र हुए तथा भाजपा के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शहर के प्रमुख मार्गों पर रैली निकाली। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नारे लिखी तख्तियां ले रखी थी। इसमें राम के नाम पर चंदा बटोरा, हिसाब से मुंह मोड़ा और राम के नाम पर चंदा, भाजपा का पुराना धंधा जैसे नारे लिखे थे जिसे कांग्रेसी दोहराते रहे। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि देशभर के श्रद्धालुओं से एकत्र चंदे के उपयोग को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब भाजपा को देना चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर सच्चाई सामने लाई जानी चाहिए। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार ने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई किसी धार्मिक आस्था या मंदिर के खिलाफ नहीं, बल्कि चंदे के उपयोग में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कराने की है। उन्होंने कहा कि यदि चंदे के उपयोग को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो जनता के सामने पूरा हिसाब रखा जाना चाहिए। ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन यादव ने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था के आधार पर योगदान दिया था। ऐसे में चंदे के उपयोग को लेकर उठे प्रश्नों का पारदर्शी तरीके से जवाब देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के धन के उपयोग में जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग कर रही है तथा यह संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। प्रदर्शन में धनेश पाटिला, कुतुबुद्दीन सोलंकी, थानेश्वर पाटिला, प्रवीण मेश्राम, मेहुल मारू, पदम कोठारी, राकेश जोशी, इकरामुद्दीन सोलंकी, रमेश डाकलिया, कमलजीत पिंटू, पंकज बांधव, अशोक पंजवानी, वीरेन्द्र चंद्राकर, प्रेम रूचंदानी, विनय झा, लक्ष्मण साहू, चेतन भानुशाली, रोहित चंद्राकर, प्रदीप बाबा राठौर, राकेश चंद्राकर, मनीष साहू, देवेश वैष्णव, ललित मरकाम, राजा तिवारी, अमर झा, सचिन तुरहाटे, पंकज बांधव, महेंद्र यादव, अशोक फड़णवीस, झम्मन देवांगन, नरेश साहू, गोलू नायक, पिंकू खान, सुरेंद्र देवांगन, महेंद्र बहादुर सिंह, मोहन साहू, राहुल तिवारी, चुम्मन साहू, ललित कुमरे, राहुल चौबे, अरशद खान, तामेश्वर बंजारे, तुकज साहू, अमित जंघेल, रज्जू जॉन, सूरज शर्मा, आफताब अहमद, शिवम गढ़पाले, अरमान अली, अब्दुल कादिर, क्रांति बंजारे, ललिता साहू, संजय मुटकुरे, प्रहलाद मिश्रा, लालचंद साहू, पीयूष दुबे, चंद्रेश वर्मा, सुरेश सिन्हा, अमित अग्रवाल, खिलेश्वर चतुर्वेदी, प्रताप धावड़े, राजकुमार बोरकर, ज्योति सलामे और हर्ष साहू लालचंद साहू, हेमंत वैष्णव, सूयस नाहटा, चुम्मन साहू अछोली, पन्ना साहू, धर्मेंद्र साहू, प्रताप धावडे, रतन यादव, मतीन खान, संजय यादव, बलिराम साहू सहित विभिन्न प्रकोष्ठो, मोर्चा संगठनों, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, किसान कांग्रेस तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

महिलाओं को स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता की राह दिखा रहा सिलाई प्रशिक्षण

खैरागढ़ । ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राशि वेलफेयर सोसाइटी राजनांदगांव द्वारा ग्राम पंचायत मासूल में आयोजित सिलाई मशीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण पूरा करने वाली महिलाओं को प्रमाण-पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जनपद सदस्य श्रीमती कोसरे एवं विशिष्ट अतिथि ग्राम पंचायत मासूल के सरपंच भीखम जांगड़े ने महिलाओं का हौसला बढ़ाया। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कौशल विकास पर आधारित इस प्रकार के प्रशिक्षण महिलाओं को केवल आत्मनिर्भर ही नहीं बनाते, बल्कि समाज में उन्हें एक नई पहचान भी देते हैं। महिलाओं को इस सीखे हुए हुनर का उपयोग कर अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए और स्वरोजगार की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। संस्था की अध्यक्ष संतोषी साहू ने इस अवसर पर कहा कि राशि वेलफेयर सोसाइटी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचलों की महिलाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण देकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करना है। वहीं संस्था के सचिव तरुण पटेल ने बताया कि इस विशेष प्रशिक्षण शिविर के दौरान महिलाओं को सिलाई कार्य की बारीकियों के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों की भी विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि वे भविष्य में बिना किसी परेशानी के खुद का व्यवसाय शुरू कर सकें।

खरसिया नगर पालिका में 5 मनोनीत पार्षदों ने ली शपथ, बोले- मिलकर करेंगे विकास

खरसिया । छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा नगर पालिका परिषद खरसिया में मनोनीत किए गए 5 एल्डरमैन ने रविवार को पद और गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह स्थानीय लखीराम ऑडिटोरियम में सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

शपथ अधिकारी ने दिलाई शपथ : शपथ अधिकारी शिल्पा भगत ने संजय अग्रवाल, रतन अग्रवाल, शशिभूषण राठौर, राकेश धृतलहरे और श्रीमती सरिता सहिस को पद की शपथ दिलाई।

मुख्य अतिथि रहीं बहुरानी संयोगिता सिंह जूदेव : कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बहुरानी संयोगिता सिंह जूदेव रहीं। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता गिरधर गुप्ता और गोपाल शर्मा ने कहा कि पद के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी आती है। शपथ के अनुरूप काम करना ही असली परीक्षा है। नगर पालिका अध्यक्ष कमल गर्ग ने कहा कि सभी मिलकर खरसिया के विकास के लिए काम करेंगे।

भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों की रही मौजूदगी : समारोह में छाया विधायक महेश साहू, सतीश अग्रवाल, रविंद्र गबेल, जिला कोषाध्यक्ष सनत नायक, जनपद उपाध्यक्ष डॉ. हितेश गबेल, अशोक मंडी, नगर भाजपा अध्यक्ष विजय शर्मा, महामंत्री आनंद अग्रवाल, मनीष रावलानी, बंटी सोनी, सीएमओ नीतू अग्रवाल सहित नगर पालिका के कर्मचारी, पार्षद और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण के बाद नगर पालिका अध्यक्ष कमल गर्ग ने उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छ खरसिया, विकसित खरसिया के संकल्प के साथ ही आगे बढ़ा जाएगा।

शूटआउट में खेलो इंडिया सेंटर बना मानसून हॉकी लीग चैंपियन

राजनांदगांव । जिला हॉकी संघ के मार्गदर्शन में खेलो इंडिया सेंटर राजनांदगांव द्वारा आयोजित मानसून हॉकी लीग का फाइनल मुकाबला और समापन समारोह अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में संपन्न हुआ। रोमांचक फाइनल में खेलो इंडिया सेंटर ने राजनांदगांव इलेवन को शूटआउट में 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के अध्यक्ष फिरोज अंसारी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला हॉकी संघ के सचिव शिवनारायण धकेता, नीलमचंद जैन, भूषण साव, पार्षद छोटेलाल रामटेके, रामावतार जोशी, अजय झा एवं शेख महबूब कुरैशी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि फिरोज अंसारी ने कहा कि मानसून हॉकी लीग युवा खिलाड़ियों के खेल कौशल को निखारने का उत्कृष्ट मंच है। नियमित प्रतिस्पर्धा से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तैयारी का अवसर मिलता है। उन्होंने खिलाड़ियों से अनुशासन और समर्पण के साथ निरंतर अभ्यास करने की अपील की। फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। शुरुआती तीन क्वार्टर तक राजनांदगांव इलेवन ने शानदार खेल दिखाते हुए 3-0 की बढ़त बना ली थी। चौथे क्वार्टर में खेलो इंडिया सेंटर ने जबरदस्त वापसी करते हुए लगातार तीन गोल दागकर मुकाबला 3-3 की बराबरी पर ला दिया। निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहने के बाद निर्णय शूटआउट से हुआ, जिसमें खेलो इंडिया सेंटर ने 4-1 से जीत दर्ज कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मैच में निर्णायक की भूमिका किशोर धीवर, राजेश निर्मलकर और संदीप यादव ने निभाई।

समापन समारोह में विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान किए गए।

राजनांदगांव की शिक्षिका पारूल चतुर्वेदी का राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2026 के लिए चयन

राजनांदगांव । शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत द्वारा स्वर्गीय हरिवंश मिश्र राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह 2026 का आयोजन 15 जुलाई 2026 (बुधवार) शाम 5.00 बजे विमतारा, मधु पिल्ले चौक, शांति नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़) में किया जाएगा। इस गरिमामय समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. हिमांशु द्विवेदी, प्रधान संपादक, हरिभूमि समूह होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद् एवं समाजसेवी संजय अग्रवाल, संस्थापक एनआर स्टील, रायगढ़ करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. चितरंजन कर, पूर्व विभागाध्यक्ष (भाषा विज्ञान), पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, राजभाषा हिंदी सलाहकार, रेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा डॉ. पूर्णानंद मिश्रा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत उपस्थित रहेंगे। इस वर्ष राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान के लिए देशभर से लगभग 700 आवेदन प्राप्त हुए थे। सभी आवेदनों का गहन अध्ययन, मूल्यांकन एवं सत्यापन राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों के उच्चस्तरीय पैनल द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर किया गया। चयन प्रक्रिया पूर्णत: निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुणवत्ता आधारित रही। इस कठोर प्रक्रिया के बाद देश के विभिन्न राज्यों से 250 उत्कृष्ट शिक्षकों का अंतिम चयन सम्मान के लिए किया गया है।

पंजाब की सियासत में पेचीदगियां कम नहीं

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

बिलकुल सामान्य समय में भी पंजाब में कोई यह मानने को तैयार नहीं होगा कि ओटीटी फिल्म 'सतलुज' को रिलीज होने के बाद जिस तरह अचानक वापस ले लिया गया, उसके पीछे राजनीति नहीं होगी। फिल्म को 48 घंटे के अंदर वापस क्यों ले लिया गया? हर किसी को पता होना चाहिए कि एक बार जब वह डिजिटल फॉर्म में बन गई तो व्यापक रूप से प्रदर्शित हो जाएगी। पंजाब में अटकलें लगाई जा रही हैं कि वहां अगले वर्ष के शुरू में ही चुनाव करवाए जा सकते हैं। तो इस विवाद से किसे सबसे ज्यादा फायदा होने वाला है? और इससे किसको सबसे ज्यादा नुकसान होने वाला है?

पहली बात यह कि उग्रवाद का दौर शुरू होने के बाद 'नकली एनकाउंटर्स' की जांच करने वाले व्यक्ति पर केंद्रित यह फिल्म एक पुरानी शिकायत को नया जीवन दे सकती है। फिल्म उस आक्रोश को फिर से भड़का सकती है। दूसरे, इसमें उग्रवादियों को हीरो बनाने की जो कोशिश की गई है, वह छिपती नहीं है। 31 अगस्त 1995 को मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या की वारदात को फिल्म में जिस तरह पेश किया गया है, उस पर गौर कीजिए। इस सीन में वह दोहा गाया जा रहा होता है, जो युद्ध में शहादत के मौके के लिए लिखा गया है। तीसरे, यह फिल्म उन युवकों में गुस्सा पैदा करेगी, जिन्हें आतंकवाद के उस बीते दशक का कोई अनुभव नहीं है, और खास तौर से धार्मिक और रूढ़िवादी समूहों को प्रभावित करेगी। और चौथे, फिल्म देखकर लगता है परदे पर उग्रवादियों और पुलिस के बीच कोई निजी लड़ाई चल रही है।

मतदाताओं का बड़ा समूह मुख्यधारा के राजनीतिक नेताओं, खासकर अकालियों से पहले ही नाराज है। अब 'सतलुज' फिल्म देखने के बाद और ज्यादा नाराज हुए ये मतदाता अकाली दल की ओर लौटने से तो रहे। ज्यादा संभावना यही है कि वे उग्रपंथियों का समर्थन करेंगे। यह रूढ़िवादी समूह कांग्रेस या 'आप' पार्टी की ओर निश्चित ही नहीं जाएगा। इसलिए फायदा एक ही पार्टी को मिलने वाला है। पंजाब में सत्ता बारी-बारी से कांग्रेस, अकाली दल और 'आप' को ही मिलती रही है। चौथी ताकत उग्रपंथी हैं, बेशक वे सीमित हैं। वे किसी गठबंधन का हिस्सा तभी बन सकते हैं, जब अकाली कुल सीटों में से एक तिहाई सीटें जीतें, जो कि असंभव दिखता है। अकालियों के वोट बंट चुके हैं, सो उन्हें और हाशिये पर धकेला जा सकता है। 'आप' को अपनी सरकार के खिलाफ असंतोष से निबटना है। कांग्रेस आंतरिक कलह में उलझी है। इस उथलपुथल में हिंदू वोट एकजुट होते हैं तो इससे केवल भाजपा को फायदा होगा। पंजाब की सियासत को उसकी जनसंख्या के स्वरूपों के मद्देनजर देखना होगा। पंजाब में सिखों की आबादी 58 फीसदी है और वे बेशक बहुसंख्यक हैं, लेकिन 40 फीसदी हिंदू आबादी भी महत्व रखती है। अगर सिख वोट बंटता है और हिंदू वोट एकजुट हो जाता है तो यह राज्य अकल्पनीय करवट ले सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

क्या भारतीय पैरेंटिंग किसी भी पश्चिमी शैली से अधिक बेहतर हो सकती है?

अमेरिका में 4 से 8 साल की उम्र के बच्चों पर साल भर तक चले एक लंबे अध्ययन में पाया गया कि जब श्वेत बच्चे टीवी प्रोग्राम्स में अलग-अलग नस्लों के लोगों को साथ देखते हैं तो इससे उनके मन में किसी के प्रति भेदभाव विकसित नहीं होता। इस सोमवार को जर्नल ऑफ अमेरिकन साइकोलॉजिस्ट्स में प्रकाशित एक न्यूज रिपोर्ट बताती है कि जिन टीवी प्रोग्राम्स में क्लासिज्म दिखता है, यानी मुख्य किरदार शाही घरानों से होते हैं और सहायक किरदारों को उनसे कम अमीर या कम समझदार दिखाया जाता है तो इससे बच्चों में भेदभाव विकसित हो सकता है।

इस खबर ने मुझे बचपन याद दिला दिया, जब हमारे पैरेंट्स अलग-अलग क्षेत्रों और परंपराओं की ऐसी कहानियां सुनाते थे। इन कहानियों में वही कालजयी सीख होती थीं, जो आज आधुनिक रिसर्च में भी बताई जाती हैं। भेदभाव मिटाने वाली कुछ कहानियां यहां पेश हैं।

बड़े होकर श्रीकृष्ण द्वारका के राजा बने, जबकि सांदीपनि ऋषि के आश्रम में उनके साथ ही पढ़ने वाले सुदामा गरीबी में जीवन बिताते थे। एक दिन बहुत संकोच के साथ सुदामा कृष्ण से मिलने पहुंचे और उनके पास केवल चिवड़े की पोटली थी। कृष्ण ने बड़े प्रेम से उनका स्वागत किया, गले लगाया और उन्हें अति-सम्मानित अतिथि का दर्जा दिया। सुदामा को शर्मिंदा किए बिना कृष्ण ने चुपचाप मित्र का जीवन बदल दिया। हमने सीखा : मित्रता सम्पत्ति से बड़ी होती है।

वृद्ध आदिवासी महिला शबरी वर्षों तक भगवान राम की प्रतीक्षा करती रहीं। राम के आने की उम्मीद में वह रोज जंगल में रास्ता साफ करती थीं। जब राम आए तो उन्होंने प्रेम से हर बेर को पहले चखकर देखा, ताकि सबसे मीठे फल ही उन्हें दे सकें। राम ने उन्हें खुशी-खुशी स्वीकार किया, क्योंकि उनके लिए वो प्रेम किसी भी शाही भोजन से अधिक मूल्यवान था। हमने सीखा : प्रेम की कोई मर्यादा नहीं होती।

याद करिए, हस्तिनापुर में दुर्योधन के भव्य भोज के निमंत्रण के बावजूद कृष्ण विदुर के साधारण घर में गए। वहां विदुर की पत्नी इतनी भावविह्वल हुईं कि उन्होंने फलों की जगह केले के छिलके ही परोस दिए। कृष्ण मुस्कुराए और उन्हें भी स्वीकार किया, क्योंकि वे सच्चे प्रेम से परोसे गए थे। हमने सीखा : प्रेम से भरा घर महल से अधिक समृद्ध होता है।

सत्यकाम ऋषि गौतम के गुरुकुल में पढ़ना चाहते थे। जब सत्यकाम से उनके परिवार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने ईमानदारी से कहा कि उनकी मां को नहीं पता कि उनके पिता कौन थे। उनकी सत्यवादिता से प्रभावित ऋषि ने कहा कि इतनी ईमानदारी भरे शब्द कोई श्रेष्ठ व्यक्ति ही बोल सकता है और उन्हें अपना शिष्य बना लिया। हमने सीखा : ईमानदारी ही आपकी सबसे बड़ी पहचान है।

संत रविदास जूते बनाकर आजीविका चलाते थे, जिसे कई लोग छोटा काम मानते थे। लेकिन उनकी बुद्धिमत्ता, विनम्रता और भक्ति ने उन्हें भारत के महान संतों में से एक बनाया। राजा, रानी और विद्वान उनसे मार्गदर्शन लेते थे, क्योंकि वे संत के चरित्र का सम्मान करते थे, पेशे का नहीं। हमने सीखा : हर पेशा सम्मान के योग्य है।

गुजरात के प्रिय संत-कवि नरसी मेहता ने भगवान और मानवता के प्रति समर्पित एक सरल जीवन जिया। उनका प्रसिद्ध भजन 'वैष्णव जन तो' सिखाता है कि श्रेष्ठ वही है, जो दूसरे का दु:ख समझे और बिना किसी प्रशंसा या पुरस्कार की अपेक्षा किए उसकी मदद करे। उनके जीवन ने पीढ़ियों को हर इंसान के प्रति करुणा रखना सिखाया। हमने सीखा : दूसरे का दर्द महसूस करिए।

भगवान विट्ठल के समर्पित भक्त होने के बावजूद संत चोखामेला को भेदभाव झेलना पड़ा और सामाजिक परंपराओं के कारण उन्हें अकसर मंदिर में प्रवेश नहीं दिया जाता था। फिर भी उन्होंने आस्था नहीं छोड़ी। उनके भक्ति गीत इतने प्रभावशाली बने कि आज भी पंढरपुर वारी के लाखों श्रद्धालु उन्हें गाते हैं। हमने सीखा : भक्ति की कोई जाति नहीं होती।

राजा रंतिदेव की कहानी बताती है कि कई दिनों भूखे रहने के बाद भी उन्होंने अपना भोजन दूसरों को दिया। उनका मानना था कि जरूरतमंदों की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है। हमने सीखा : आपके पास थोड़ा हो, तब भी बांटिए और दया का कोई दर्जा नहीं होता।

फंडा यह है कि यदि हम बच्चों को सोने से पहले यह कहानियां वापस सुनाने लगें तो शर्तिया ही हम हमेशा दुनिया के सबसे अच्छे पैरेंट्स बने रहेंगे।

कई देशों के उदाहरण हमें बताते हैं कि तरक्की के सच्चे पैमाने क्या हैं

इतिहास के अनेक अनुभव और उदाहरण हमें सिखाते हैं कि तरक्की की माप महज आंकड़ों से नहीं मिल सकती। यकीनन, आर्थिक वृद्धि का आकलन जीडीपी, बुनियादी ढांचे, निर्यात तथा तकनीकी प्रगति जैसे इंडिकेटर्स से किया जाता है। लेकिन ये किसी राष्ट्र की प्रगति का सम्पूर्ण चित्र प्रस्तुत नहीं कर सकते।

किसी देश की सफलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि उसके साथ-साथ राजनीतिक संस्थाएं, कानूनी-व्यवस्था, सामाजिक मान्यताएं, शिक्षा तथा सांस्कृतिक मूल्य भी समान रूप से विकसित हो रहे हैं या नहीं। जब ये सभी संतुलित रूप से आगे बढ़ते हैं, तब समाज परिवर्तन को अधिक सहजता और स्थिरता से आत्मसात करता है। इसके विपरीत, जब इनके बीच असंतुलन उत्पन्न होता है, तब सामाजिक और राजनीतिक तनाव उभरने लगते हैं।

इंग्लैंड इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। मैग्ना कार्टा से लेकर ग्लोरियस रिवोल्यूशन और औद्योगिक क्रांति तक- वहां संवैधानिक व्यवस्था, वित्तीय बाजार, संसदीय संस्थाएं तथा व्यापारिक विस्तार कई शताब्दियों में क्रमश: विकसित हुए। आर्थिक प्रगति के साथ-साथ कानून के राज, अनुबंधों के क्रियान्वयन तथा प्रतिनिधिक संस्थाओं को भी निरंतर सुदृढ़ किया गया।

जापान का अनुभव भिन्न होते हुए भी इतना ही शिक्षाप्रद है। मेइजी पुनर्स्थापन के दौरान उसने तीव्र आधुनिकीकरण किया और उद्योग, शिक्षा, टेक्नोलॉजी में बड़े निवेश किए। साथ ही अपनी सांस्कृतिक पहचान के महत्वपूर्ण तत्वों को भी सुरक्षित रखा। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में औद्योगिक नीति, सामाजिक अनुशासन, उत्कृष्ट शिक्षा और संस्थागत स्थिरता का समन्वय किया गया।

उधर अमेरिका ने यकीनन असाधारण आर्थिक विस्तार किया है, किंतु उसके अनेक गहरे सामाजिक परिवर्तन कई पीढ़ियों में विकसित हुए। लोकतांत्रिक संस्थाएं, सार्वजनिक विमर्श तथा संवैधानिक प्रक्रियाएं ऐसे माध्यम बने, जिनके द्वारा समाज ने समय के साथ बड़े बदलावों को स्वीकारा।

ईरान में शाह के शासनकाल के दौरान तीव्र आधुनिकीकरण ने आर्थिक विकास और आधारभूत संरचना में उल्लेखनीय प्रगति की, किन्तु सामाजिक एवं सांस्कृतिक असंतुलन ने अंतत: 1979 की क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया। लैटिन अमेरिका के कई देशों तथा वेनेजुएला के अनुभव भी यह दर्शाते हैं कि कमजोर संस्थाएं आर्थिक उपलब्धियों को टिकाऊ नहीं बना पातीं। अफ्रीका में बोत्सवाना ने मजबूत संस्थाओं और विवेकपूर्ण संसाधन-प्रबंधन के माध्यम से स्थिरता प्राप्त की, जबकि कमजोर शासन वाले देशों में विकास लंबे समय तक टिक नहीं पाया।

ये उदाहरण किसी सार्वभौमिक नियम की स्थापना नहीं करते, लेकिन वे एक समान प्रवृत्ति अवश्य दर्शाते हैं। यह कि स्थायी समृद्धि आर्थिक नीति, संस्थाओं, कानूनों, शिक्षा, सामाजिक विश्वास तथा सांस्कृतिक अनुकूलन के संतुलित समन्वय पर आधारित होती है।

नीति-निर्माताओं के लिए यह महत्वपूर्ण संदेश है कि बुनियादी ढांचा, निवेश और टेक्नोलॉजी तभी अधिक प्रभावी सिद्ध होते हैं, जब उनके साथ पारदर्शी शासन, सक्षम संस्थाएं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और जनता का विश्वास भी विकसित हो।

राष्ट्रों का इतिहास अंतत: यह शिक्षा देता है कि समृद्धि केवल आर्थिक वृद्धि की गति से ही तय नहीं होती, बल्कि इस बात से भी होती है कि संस्थाएं, संस्कृति, कानून और समाज कितने सामंजस्यपूर्ण ढंग से विकसित होते हैं। प्रगति का वास्तविक माप केवल बढ़ती आय नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक रूप से विकसित होने की क्षमता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सबसे बड़ी समस्या यह कि हमें अब कुछ भी बेचैन नहीं करता

राम मंदिर में चढ़ावा-चोरी को लेकर चल रहा विवाद भावुकता से राजनीति तक की परिधि में पसरा हुआ है- किसी को भावनाएं आहत होने की फिक्र है तो किसी के सामने सवाल है कि इसका यूपी चुनावों पर क्या असर पड़ेगा। लेकिन जो एक बुनियादी चिंता इस पूरे मसले से सामने आनी चाहिए, वह सिरे से गायब है। दरअसल इस चढ़ावा-चोरी ने याद दिलाया है कि हम मूलत: भ्रष्टाचार या कई अन्य बुराइयों को चुपचाप सहने और अकसर उसमें शामिल रहने वाले समाज में बदल चुके हैं।

चढ़ावा-चोरी करने वाले लोग अगर भगवान से नहीं तो भक्तों से तो डरते- कि अगर यह पकड़ में आ गया तो उनका सामाजिक बहिष्कार शुरू हो जाएगा। लेकिन ऐसा कोई डर उनके भीतर नहीं था। उनमें से कुछ लोग अगर पकड़े गए और जेल की सलाखों के पीछे हैं तो भी यह संदेह बचा हुआ है कि बहुत सारे चढ़ावा-चोर बाहर हैं और पकड़े गए लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की बात कर रहे हैं।

हमारा समाज धीरे-धीरे कुछ भी अनुभव करने की शक्ति खोता जा रहा है। मंदिर में चोरी हो, साम्प्रदायिक हिंसा हो, दुष्कर्म हो, भ्रष्टाचार हो- हमें कुछ भी उद्वेलित नहीं करता। करने को हम सबका विरोध करते हैं, सबके खिलाफ गुस्सा जताते हैं, लेकिन यह महज एक प्रदर्शन, एक दिखावा भर होता है कि दूसरों ने देख लिया है कि हम चुप नहीं हैं। हम बस शोर सुनते और करते हैं और मान लेते हैं कि इसी में हमारे सरोकार झलक रहे हैं। जिन मामलों की हम पर सीधी चोट पड़ती है, उन पर भी क्रोध जताने के अलावा कुछ नहीं करते- चाहे वह पेपर लीक का मामला हो या पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने को लेकर चल रही बहस हो।

यहां से एक और सवाल पैदा होता है। क्या इस पाखंड के पीछे हमारे संस्कार भी हैं? दुनिया भर के धर्मों की यह समस्या रही है कि उनमें ईश्वर और भक्त के बीच एजेंट बैठे होते हैं, जो भरोसा दिलाते हैं कि ऊपर वाला बहुत कृपालु है और वह सबके पाप धोता रहता है। इंग्लैंड में एक दौर में पाप-विमोचन प्रमाण-पत्र बेचे जाते थे। चौदहवीं-पंद्रहवीं सदियों में चर्च में निहित भ्रष्टाचार के विरुद्ध जॉन विकलिफ से लेकर मार्टिन लूथर तक के संघर्ष ने प्रोटेस्टेंट चर्च की बुनियाद डाली। हिंदू धर्म में भी पाप-निवारण के बहुत सारे उपाय और कर्मकांड प्रचलित हैं।

इस्लाम में भी मौलवियों के अजीबोगरीब फतवों ने सच्चे मुसलमानों का जीना मुश्किल कर रखा है। ऐसे धार्मिक पाखंड व वर्चस्व के साथ जब राजनीति जुड़ जाती है तो मंदिर-निर्माण से लेकर राष्ट्र-निर्माण तक की परियोजनाएं अप्राश्नेय पवित्रतावाद की आड़ में तमाम तरह के धतकरमों से आगे बढ़ाई जाती हैं। इसमें सच्चा धार्मिक व्यक्ति ही सबसे अकेला पड़ जाता है।

क्या भारत में भी इन दिनों यही खेल चल रहा है, जिसे इस उत्तर-आधुनिक समय की विडम्बनाएं कुछ और बेलगाम होने में मदद कर रही हैं? अब बाजार वह नियामक शक्ति है, जिसे पता है कि कब राजनीति का इस्तेमाल करना है, कब धर्म का और कब खेल का। चढ़ावा-चोरी भी इस बाजार के लिए एक विक्रय योग्य विषय ही है, जिसमें एक तरफ राजनीतिक समीकरण हैं तो दूसरी तरफ निजी आस्थाओं का हवाला।

इस लड़ाई में जीत उसकी नहीं होगी, जो यह भरोसा दिलाएगा कि वह चढ़ावा-चोरी पूरी तरह रोक देगा या मंदिर की पवित्रता बनाए रखेगा, बल्कि उसकी होगी, जिसके होने से एक बड़े तबके में अपने हितों की सुरक्षा का आश्वासन होगा। एक बहुत स्थूल- मोटी चमड़ी वाली- स्वार्थपरता शायद इन दिनों हमारा मिजाज बनी हुई है और हमें इस बात से बहुत फर्क नहीं पड़ता कि दुनिया में क्या हो रहा है और कैसे हो रहा है। दुर्भाग्य से जब उसकी मार हम पर पड़ती है, तब हमें समझ में आता है कि हमारी निर्लिप्तता या तटस्थता ही हमारी वास्तविक शत्रु है।

हम भ्रष्टाचार या अन्य बुराइयों को चुपचाप सहने वाले समाज में बदल चुके हैं। चढ़ावा-चोरी करने वाले अगर भगवान से नहीं तो भक्तों से तो डरते- कि अगर यह पकड़ में आ गया तो सामाजिक बहिष्कार शुरू हो जाएगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

रामचरितमानस में लक्ष्मणजी ने बहुतों की भूल निकाली पर लक्ष्मणजी की भूल अगर किसी ने निकाली तो केवल सुमित्रा अंबा ने। लक्ष्मणजी ने सुमित्रा अंबा को प्रणाम करके सारा समाचार सुनाया, सारा समाचार सुनकर सुमित्रा अंबा ने पूछ दिया कि लक्ष्मण ! श्रीराम यदि वन जा रहे हैं तो तुम यहां कैसे चले आए। लक्ष्मणजी ने कहा कि प्रभु ने मुझसे कहा कि जाकर माँ से विदा ले आओ, इसलिए मैं यहां आया हूं। परंतु सुमित्रा अंबा ने कहा, लक्ष्मण ! चौदह वर्ष के श्रीगणेश में ही जब तुम इतनी बड़ी भूल कर रहे हो तो सेवा कैसे करोगे। लक्ष्मणजी ने जानना चाहा, मां, क्या भूल हो गई ? तो उन्होंने कहा, लक्ष्मण ! अभी तक तुम मुझे ही माँ समझते हो। और मां समझकर विदा लेने आए हो, इससे बड़ी भूल क्या होगी। नहीं-नहीं लक्ष्मण ! जब श्रीराम ने कहा कि माँ से विदा ले आओ, तो तुम यहां न आकर अगर श्रीसीता के चरणों में प्रणाम करके उन्हीं की आज्ञा लेकर चले जाते तो मैं समझ लेती कि तुमने मां को सही अर्थों में पहचान लिया है। पर तुम मेरे पास चले आए इसलिए लगता है कि तुम्हारी दृष्टि में कुछ कमी है। अरे ! तुम्हारी वास्तविक माँ तो श्रीसीता ही हैं - तात तुम्हारि मातु वैदेही - शब्द कितना सार्थक था सुमित्रा अंबा का ? उन्होंने कहा कि वैदेही के बेटे ने देह को माँ मान लिया। और जब तुमने मां के रूप में मुझे देख लिया तो अभी तुममे कमी है। लक्ष्मणजी ने सुमित्रा अंबा के चरणों को पकड़ लिया और बोले मां मैं समझ गया कि प्रभु ने मुझे आपकी पाठशाला में सच्ची शिक्षा लेने के लिए ही भेजा है। मैं चौदह वर्ष के लिए साथ में जाना चाहता था, पर प्रभु ने मानो कहा कि माँ से पहले उपासना की दीक्षा तो ले लो। तब तुम समझ जाओगे कि सच्चे अर्थों में समर्पण और सेवा क्या है ?

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

स्कूलों में बुलीइंग और कितने बच्चों का जीवन बरबाद करेगी?

एक प्रतिष्ठित निजी स्कूल में नौ साल की एक बच्ची ने लगातार बुलीइंग और उपेक्षा के बाद आत्महत्या कर ली। लेकिन घटना के आठ महीने बाद भी प्राचार्य, क्लास टीचर या प्रबंधन पर कोई आंतरिक कार्रवाई नहीं हुई है। पुलिस की कार्रवाई भी धीमी रही है और अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

जयपुर में अमायरा की मृत्यु की घटना हमारे आक्रोश की मांग करती है। अमायरा के माता-पिता- शिवानी और विजय मीणा का आरोप है कि विद्यालय के प्रभावशाली और राजनीतिक रूप से कनेक्टेड प्रबंधन के कारण पुलिस मामले में नरमी बरत रही है। उनका कहना है कि पुलिस ने दोष उनकी बेटी पर मढ़ने की कोशिश की। एक पुलिस अधिकारी ने तो यहां तक कह दिया कि अमायरा मतिभ्रम की शिकार थी। लेकिन सीसीटीवी फुटेज एक बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करते हैं।

पहला सीसीटीवी फुटेज नवंबर 2025 में सार्वजनिक हुआ था, जब

अमायरा ने स्कूल भवन की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी थी। हादसे से पहले अमायरा कई महीनों से स्कूल में बुलीइंग की शिकायत कर रही थी और एक बार तो उसने सीधे प्रिंसिपल से भी इसकी शिकायत की थी। इसके कई महीनों बाद परिवार ने आठ मिनट का नया सीसीटीवी फुटेज जारी किया है, जो अमायरा की मृत्यु से पहले के अंतिम कुछ मिनटों की गंभीर तस्वीर सामने लाता है।

फुटेज में एक छात्र डिजिटल स्लेट निकालकर उसे अमायरा को दिखाते नजर आता है। अन्य छात्र भी उसे चिढ़ाने में शामिल हो जाते हैं। अमायरा की मां का मानना है कि उसे जो दिखाया गया, उसमें यौन संकेत थे। अमायरा अपनी टीचर के पास एक नहीं, पांच बार जाती है, लेकिन हर बार उसकी बात अनसुनी रह जाती है। एक मौके पर अध्यापिका उसकी मदद करने के बजाय उलटे उसे डांटती हुई दिखाई देती हैं। फुटेज में बच्ची हाथ जोड़कर खड़ी है। वह अपना मुंह भी ढकती हुई दिखाई देती है, जो गहरे डिस्ट्रेस का संकेत है।

आप उम्मीद कर सकते हैं कि कम-से-कम टीचर्स उस छात्रा पर विशेष नजर जरूर रखते, जिसने अपने सहपाठियों के व्यवहार की कई बार शिकायत की हो। लेकिन इसके बजाय वह बच्ची बिना किसी निगरानी के क्लास से बाहर निकल जाती है। जब वह अकेले सीढ़ियां चढ़ती है, तो उसे खोजने कोई नहीं आता। वह आपस में बात करते कर्मचारियों और शिक्षकों के पास से होकर गुजर जाती है। किसी के मन में यह सवाल नहीं आता कि बच्ची कहां जा रही है और क्यों। ऊंचाई से डरने वाली वह बच्ची इमारत की मुंडेर पर जा बैठती है और लगभग 48 फीट नीचे कूद जाती है।

इतने महीनों बाद भी कई अहम सवालों के जवाब नहीं मिले हैं। जैसे कि उस डिजिटल स्लेट पर क्या था? टीचर ने हस्तक्षेप क्यों नहीं किया? बच्ची अकेले बाहर कैसे निकल गई? वह बिना किसी निगरानी के स्कूल के गलियारों में अकेले कैसे घूमती रही?

सीबीएसई की फैक्ट-फाइंडिंग समिति ने कहा था कि अमायरा की मौत को टाला जा सकता था और स्कूल समय रहते हस्तक्षेप करने में विफल रहा। समिति ने यह भी पाया कि बच्ची के गिरने की जगह के फोरेंसिक साक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण होने के बावजूद स्कूल ने जल्दबाजी में उसे साफ करा दिया। मामले की जांच कर रहे 3 अधिकारी भी बदले जा चुके हैं।

शिवानी और विजय ने मुझे बताया कि न्याय की लड़ाई शुरू करने के बाद से या तो उनकी ही बच्ची को दोषी ठहराया गया है या फिर उन्हें। शिवानी पर तो यह आरोप भी मढ़ दिया गया कि वे नौकरीपेशा मां थीं और उन्होंने अपनी बेटी की उपेक्षा की। अमायरा की दु:खद मृत्यु बुलीइंग, संवेदनहीनता और एक सुनियोजित संस्थागत लीपापोती की कहानी है। कल को उसकी जगह आपकी बेटी भी हो सकती है!

किसी के मन में सवाल नहीं आया कि बच्ची क्लास से बाहर कहां जा रही है और क्यों। ऊंचाई से डरने वाली वह बच्ची 48 फीट नीचे कूद जाती है। उस डिजिटल स्लेट पर ऐसा क्या था, जिसने उसे इतना परेशान कर दिया था?

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

रायपुर में आज निकलेगी रथयात्रा:11 वैदिक पंडित कराएंगे विशेष पूजन और अभिषेक; 24 जुलाई को होगी बाहुड़ा यात्रा

रायपुर। राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ की विश्वविख्यात रथयात्रा 16 जुलाई को धार्मिक उल्लास, वैदिक परंपराओं और भव्यता के साथ निकलेगी। बाहुड़ा यात्रा 24 जुलाई को आयोजित होगी।

रथयात्रा से पहले 14 जुलाई की शाम 6 बजे भगवान का नेत्रोत्सव होगा। मंदिर परिसर में सभी धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा के तीनों रथ आकर्षक ढंग से सजाए गए हैं।

रथयात्रा भक्त और भगवान के मिलन का महापर्व

मंदिर सेवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष और विधायक पुरंदर मिश्रा ने बताया कि रथयात्रा भक्तों और भगवान के प्रत्यक्ष मिलन का महापर्व है। साल में केवल इसी अवसर पर भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ मंदिर से बाहर निकलकर श्रद्धालुओं को दर्शन देते हैं।

यह पर्व धार्मिक आस्था के साथ छत्तीसगढ़ और ओडिशा की सांस्कृतिक एकता, भाईचारे और सनातन परंपरा का प्रतीक भी है।

रथयात्रा के दिन सुबह 11 वैदिक पंडित विशेष अभिषेक, पूजन और हवन कराएंगे। चंदन, केसर, कस्तूरी, कपूर सहित सुगंधित द्रव्यों से भगवान का दिव्य स्नान कराया जाएगा। इसके बाद गजामूंग महाप्रसाद अर्पित किया जाएगा। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और मंगल वाद्यों की ध्वनि के बीच भगवान तीनों रथों पर विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे।

परंपरा के अनुसार राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भगवान के रथ के सामने सोने की झाड़ू से 'छेरा पहरा' की ऐतिहासिक सेवा करेंगे। यह परंपरा सेवा, समर्पण और विनम्रता का संदेश देती है।

आयोजन में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, जनप्रतिनिधि, संत-महात्मा, सामाजिक और धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

रथयात्रा के दौरान महिला मंडलों की ओर से भजन-कीर्तन, आकर्षक सांस्कृतिक झांकियां, पारंपरिक लोकनृत्य और 'जय जगन्नाथ' के जयघोष से मंदिर परिसर और पूरा शहर भक्तिमय माहौल में रंग जाएगा।

श्री जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति ने सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार रथयात्रा में शामिल होकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लेने और सनातन संस्कृति की इस गौरवशाली परंपरा का हिस्सा बनने की अपील की है।

किराए
पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

पीएमश्री स्कूल की दो छात्राओं को 10-10 हजार का पुरस्कार

भाटापारा। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, भाटापारा की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली दो मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। बोर्ड परीक्षा में कक्षा 12वीं में 95% अंक प्राप्त करने वाली छात्रा कु गौरी त्रिवेदी तथा कक्षा 10वीं में 95% अंक प्राप्त करने वाली छात्रा कु ख्याति विश्वकर्मा* को विद्यालय के पूर्व प्राचार्य अशोक सिंह परिहार द्वारा 10,000-10,000 की नकद पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अशोक सिंह परिहार ने दोनों छात्राओं की मेहनत, लगन और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को इन छात्राओं से प्रेरणा लेकर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। सम्मान समारोह में विद्यालय के प्राचार्य केशव प्रसाद देवांगन एवं समस्त शिक्षकगण और सभी विद्यार्थियों ने दोनों छात्राओं का उत्साहवर्धन किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

स्कूल का जानलेवा सफर...

8 सीटर ऑटो में 12 और 16 सीटर वाहनों में 22 बच्चे, लगेज एरिया में भी सीटें लगा 4 बच्चे बिठा रहे

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की सड़कों पर स्कूली बच्चे सुरक्षित सफर नहीं, बल्कि जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंच रहे हैं। ऑटो और ई-रिक्शा में क्षमता से कहीं अधिक बच्चों को बैठाकर रोजाना स्कूल लाया-ले जाया जा रहा है।

हालात यह हैं कि बच्चे ठूंस-ठूंसकर बैठे रहते हैं, जिससे उन्हें बैठने तक की जगह नहीं मिलती। इससे उनकी सुरक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है। 8 सीट क्षमता वाले ऑटो में 12 बच्चे और 16 क्षमता वाले वाहनों में 20 से 22 बच्चों को बैठाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूल वाहनों के लिए तय 16 सुरक्षा मानकों का भी पालन नहीं हो रहा है। अधिकांश वाहनों में न सीसीटीवी कैमरा है, न स्पीड गवर्नर, न जीपीएस और न ही अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरण। दैनिक भास्कर ने शहर के 12 से अधिक स्कूलों के

बाहर पड़ताल की, जहां अधिकांश स्थानों पर यही स्थिति देखने को मिली।

मंगलवार दोपहर 12 से 1 बजे के बीच राजधानी की सड़कों पर स्कूल ड्रेस पहने बच्चों से भरे ऑटो दौड़ते नजर आए। किसी ऑटो में बच्चे सीट पर सिमटे हुए थे तो कोई दरवाजे के किनारे बैठा था। कई वाहनों में बच्चों के स्कूल बैग तक बाहर लटक रहे थे। यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि मासूमों की जान से सीधा खिलवाड़ है।

कई निजी स्कूलों में स्कूल बस की सुविधा नहीं है। ऐसे में अभिभावक मजबूरी में बच्चों को ऑटो और ई-रिक्शा से भेजते हैं। वहीं, अधिक कमाई के लालच में चालक क्षमता से कई गुना अधिक बच्चों को बैठाकर सफर करा रहे हैं।

यदि अचानक ब्रेक लग जाए, वाहन पलट जाए या किसी अन्य वाहन से टक्कर हो जाए, तो सबसे बड़ा खतरा इन्हीं बच्चों की जान पर होगा। इसके बावजूद न ऑटो चालक नियमों का पालन कर रहे हैं और न ही स्कूल प्रबंधन तथा जिम्मेदार विभाग प्रभावी निगरानी कर रहे हैं।

ऑटो में सिर्फ 3 या 6 यात्रियों को बिठाने की अनुमति: पुलिस के अनुसार ऑटो का पंजीयन उसकी स्वीकृत बैठने की क्षमता के आधार पर होता है। तीन पहिया ऑटो में चालक के अलावा तीन सवारी बैठाने की अनुमति होती है। कुछ वाहनों और मैजिक में छह यात्रियों की क्षमता निर्धारित है। इसके विपरीत 5 सीटर ऑटो में 10 तक और मैजिक में 14 से अधिक बच्चों को बिठाया जा रहा है।

अधिकांश शहरों में बच्चों को ऑटो और ई-रिक्शा में क्षमता से अधिक बिठाकर स्कूल ले जाया जा रहा है। इसकी निगरानी करने वाली एजेंसियां प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रही हैं। जबकि ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ की जिम्मेदारी है कि ऐसे वाहनों पर सख्त कार्रवाई करें। यह पंजीयन की शर्तों का उल्लंघन है। शहरों में ओवरलोड वाहनों को तत्काल जब्त किया जाना चाहिए।

स्कूल प्रबंधन से बैठक, फिर कार्रवाई

स्कूल प्रबंधन की बैठक बुलाई गई है। इसमें बच्चों की सुरक्षा को लेकर आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। इसके बाद पुलिस ओवरलोड स्कूली वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करेगी। - **अर्चना झा, डीसीपी ट्रैफिक**

महिला आयोग अध्यक्ष पद पर घमासान:ममता ने संभाला कार्यभार, किरणमयी बोलीं- यह पद मेरा है

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के अध्यक्ष पद को लेकर विवाद और गहरा गया है। मंगलवार को राज्य सरकार की ओर से नियुक्त डॉ. ममता साहू ने शास्त्री चौक स्थित महिला आयोग कार्यालय में अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाल लिया।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा, उनकी समस्याओं के त्वरित निराकरण और महिला सशक्तिकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम करेंगी। उनका कहना है कि जब तक हाईकोर्ट की ओर से कोई विपरीत आदेश नहीं आता, तब तक राज्य सरकार का नियुक्ति आदेश प्रभावी रहेगा।

उधर, पूर्व अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक भी आयोग कार्यालय पहुंचीं और अधिकारियों-कर्मचारियों से मुलाकात की। उनके साथ छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत, आयोग की सदस्य सरला कोसरिया समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

किरणमयी का दावा है कि उनके मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में लंबित है, इसलिए अंतिम निर्णय आने तक राज्य सरकार किसी अन्य की नियुक्ति नहीं कर सकती। बता दें कि राज्य सरकार ने 7 जुलाई को डॉ. ममता साहू को राज्य महिला आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था।

हाईकोर्ट के आदेश तक पद यथावत: किरणमयी: डॉ. किरणमयी नायक ने बताया कि उनका पहला कार्यकाल 23 जुलाई 2020 से 22 जुलाई 2023 तक और दूसरा कार्यकाल जुलाई 2023 से 20 जुलाई 2026 तक है। उन्होंने कहा कि 15 दिसंबर 2023 को राज्य सरकार ने उन्हें पद से हटाने का आदेश जारी किया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

गृहमंत्री शाह से मिले भाजपा सोशल मीडिया टीम के पदाधिकारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा की सोशल मीडिया की टीम के सदस्यों ने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान गृहमंत्री शाह ने छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों के साथ प्रदेश से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इस टीम में मितुल कोठारी, दिनेश सुंदरानी, राकेश चंद्राकर, रवि मिश्रा, गिन्नी चावला और तेजपाल शर्मा शामिल थे।

बिलासपुर जोन की 8 ट्रेनें कैंसिल : भाटापारा-हथबंध स्टेशन के बीच होगा ऑटो सिग्नलिंग का काम, 18-19 जुलाई को नहीं चलेंगी गाड़ियां

बिलासपुर। बिलासपुर जोन की 8 ट्रेनों को कैंसिल कर दिया है। भाटापारा-हथबंध स्टेशन के बीच तीसरी लाइन सेक्शन में ऑटो सिग्नलिंग का काम होगा। इस काम के चलते 18 और 19 जुलाई को मैमू लोकल और पैसेंजर गाड़ियों को रद्द किया गया है। लोकल मैमू ट्रेनें नहीं चलने से रोजाना सफर करने वाले यात्रियों की मुसीबतें बढ़ जाएंगी।

रेलवे प्रशासन का दावा है कि, बिलासपुर जोन में इंफ्रास्ट्रक्चर और डवलपमेंट का काम तेजी से चल रहा है। जिसे जल्द पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के भाटापारा-हथबंध स्टेशनों के मध्य तीसरी लाइन सेक्शन ऑटो सिग्नलिंग कमीशनिंग का काम होगा। इस कार्य के फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

रद्द होने वाली गाड़ियां

19 जुलाई को गाड़ी संख्या 68728 रायपुर-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

19 जुलाई को गाड़ी संख्या 68734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

19 जुलाई को गाड़ी संख्या 68733 गेवरा रोड-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

18 एवं 19 जुलाई को गाड़ी संख्या 68719 बिलासपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

18 एवं 19 जुलाई को गाड़ी संख्या 58203 कोरबा-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी।

18 एवं 19 जुलाई को गाडी संख्या 58204 रायपुर-कोरबा पैसेंजर रद्द रहेगी।

18 जुलाई को गाड़ी संख्या 68746 रायपुर- गेवरा रोड मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

19 जुलाई को गाड़ी संख्या 68745 गेवरा रोड-रायपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

बीच में समाप्त होने वाली गाड़ी

18 और 19 जून को गोंदिया से चलने वाली 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू पैसेंजर बिलासपुर स्टेशन से शुरू होगी। गोंदिया और बिलासपुर के बीच रद्द रहेगी।

18 और 19 जून 2026 को झारसुगुड़ा से चलने वाली 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर बिलासपुर में समाप्त होगी। बिलासपुर एवं गोंदिया के बीच रद्द रहेगी।

रायपुर में 2 ट्रक से ज्यादा खैर लकड़ी जब्त: कत्था बनाने में होता है इस्तेमाल; 5 साल पहले भी पकड़ा गया था

रायपुर। छत्तीसगढ़ वन विभाग ने अवैध खैर लकड़ी की तस्करी मामले में रायपुर के एक गोदाम पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में लकड़ी जब्त किया है। विभाग के अनुसार, कार्रवाई में दो ट्रक से अधिक खैर की लकड़ी बरामद हुई है। गोदाम को सील कर दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि, जब्त की गई खैर की लकड़ी हरियाणा भेजी जानी थी। खैर की लकड़ी का इस्तेमाल मुख्य रूप से कत्था बनाने में किया जाता है, जिसकी विभिन्न राज्यों और विदेशों में भी मांग रहती है।

यह कार्रवाई प्रधान मुख्य वन संरक्षक और वन बल प्रमुख अरुण कुमार पाण्डेय के निर्देशन में की गई। संयुक्त अभियान में राज्य उड़नदस्ता के एसडीओ संदीप सिंह राजपूत की टीम, रायपुर वन परिक्षेत्र अधिकारी दीपक कुमार तिवारी और सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी संतोष सामंतराय राय शामिल रहे।

पहले भी हो चुकी है कार्रवाई

वन विभाग के अनुसार, करीब पांच साल पहले भी इसी मामले से जुड़े व्यक्ति से संबंधित एक ट्रक अवैध लकड़ी के साथ जब्त किया गया था। उस प्रकरण में राजसात की कार्रवाई की गई थी और आरोपी को न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेजा गया था। वन विभाग ने बताया कि, संबंधित व्यक्ति का नाम पहले भी वन्यजीव अपराधों से जुड़े मामलों में सामने आ चुका है। इनमें तेंदुए की खाल के अवैध व्यापार से जुड़े आरोप भी शामिल रहे हैं। हालांकि, इन मामलों की जांच और न्यायिक प्रक्रिया संबंधित सक्षम प्राधिकारों के अधीन रही है।

मामले की जांच जारी

वन विभाग ने कहा कि जब्त लकड़ी के स्रोत, परिवहन और तस्करी के नेटवर्क की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रावतपुरा विश्वविद्यालय पर छात्रों का फर्जीवाड़े का आरोप:बोले-पैरामेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन के बिना बी-ऑप्टोमेट्री में दिया दाखिला, डिग्री के बाद नहीं मिल रही नौकरी

रायपुर। रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के बी-ऑप्टोमेट्री (बैच 2020-24) के छात्र-छात्राओं ने मंगलवार को मुजगहन थाने पहुंचकर विश्वविद्यालय के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत की।

उनका आरोप है कि विश्वविद्यालय ने छत्तीसगढ़ पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता और रजिस्ट्रेशन मिलने का भरोसा देकर दाखिला कराया, लेकिन कोर्स पूरा होने के बाद भी उन्हें रजिस्ट्रेशन नहीं मिला।

इससे सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के लिए आवेदन करने में दिक्कत आ रही है। वहीं, इस मामले में रायपुर जिला हस्ट्रु अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी भी छात्रों के समर्थन में थाने पहुंचे।

छात्रों का दावा- हर छात्र से 6 लाख फीस ली गई

छात्रों के अनुसार, उनसे हर साल करीब 1.50 लाख रुपए फीस ली गई। 4 साल के कोर्स में हर छात्र ने करीब 6 लाख रुपए विश्वविद्यालय को दिए। उनका कहना है कि पढ़ाई के दौरान जब उन्होंने सिलेबस की मान्यता और रजिस्ट्रेशन को लेकर सवाल उठाए

तो विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रक्रिया पूरी होने का आश्वासन दिया, लेकिन अब तक रजिस्ट्रेशन नहीं मिला।

शिकायत में छात्रों ने कहा कि कोर्स पूरा करने के बाद जब सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के लिए आवेदन किया तो रजिस्ट्रेशन नहीं होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। उनका आरोप है कि इसी वजह से उनकी डिग्री को स्वीकार नहीं किया जा रहा है। उनका यह भी आरोप है कि काउंसिल ने राज्य की केवल 14 कॉलेजों को नर्सिंग और उससे जुड़े कोर्स संचालित करने की मान्यता दी है। इन 14 कॉलेजों की सूची में रावतपुरा विश्वविद्यालय का नाम शामिल नहीं है। इसके बावजूद विश्वविद्यालय में नर्सिंग से जुड़े कोर्स संचालित किए जा रहे हैं।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY
BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज कार्यक्षेत्र में टीम वर्क और सहयोग की भावना आपके लिए सफलता की नई राह खोलेगी। सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बेहतर तालमेल आपके अधूरे कार्यों को गति देगा। रिश्तों में ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखें, क्योंकि यही विश्वास को मजबूत बनाएगी। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी और भावनात्मक संतुलन बना रहेगा।

वृषभ। आज करियर में उन्नति और पहचान मिलने के प्रबल योग हैं। आपकी मेहनत और कार्यशैली वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी, जिससे नई जिम्मेदारियां या पदोन्नति के अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय में वृद्धि के संकेत हैं। नए लोगों से संपर्क बनाने और पुराने संबंधों को मजबूत करने के लिए दिन शुभ है।

मिथुन। आज पुराने गिले-शिकवे दूर होने की संभावना है और पारिवारिक वातावरण पहले से अधिक सुखद रहेगा। अपने विचार स्पष्ट रूप से व्यक्त करें, क्योंकि आपकी बातों का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होंगे और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी तथा नए लाभ के अवसर मिल सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए

कर्क। आज का दिन आपके लिए पूरे वर्ष के सबसे प्रभावशाली दिनों में से एक साबित हो सकता है। आत्मविश्वास अपने चरम पर रहेगा और व्यक्तित्व में नया आकर्षण दिखाई देगा। कार्यक्षेत्र में बड़े बदलाव और नई जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और नए अवसर सामने आएंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

सिंह। आज साझेदारी और सहयोग आपके लिए सफलता की सबसे बड़ी कुंजी साबित होंगे। व्यापार में साझेदारों के साथ बेहतर तालमेल लाभ दिलाएगा। नौकरीपेशा लोगों को भी सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। किसी भी बड़े निर्णय को जल्दबाजी में लेने से बचें और हर पहलू पर विचार करें। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा तथा प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा।

कन्या। आज सूर्य और गुरु के शुभ प्रभाव से आपको कार्यक्षेत्र में सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। लंबे समय से चल रही योजनाओं में सफलता मिलने के संकेत हैं। स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और अनुशासित दिनचर्या अपनाएं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा धन लाभ के योग बनेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा और घरेलू वातावरण शांत रहेगा। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा।

तुला। आज आपकी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा आपको नई पहचान दिला सकती है। कला, मीडिया, डिजाइन या रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बेहद शुभ रहेगा। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे। अपनी छिपी हुई प्रतिभा को सामने लाने में संकोच न करें। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और आय के नए स्रोत बनने की संभावना है। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक। आज स्वयं को थोड़ा समय देना और धैर्य बनाए रखना आपके लिए सबसे अधिक लाभदायक रहेगा। हर काम सही समय पर पूरा होगा, इसलिए जल्दबाजी से बचें और परिस्थितियों पर भरोसा रखें। कार्यक्षेत्र में सामान्य प्रगति होगी तथा वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। परिवार का वातावरण शांत रहेगा और प्रियजनों का साथ मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

धनु। आज घर-परिवार और भावनात्मक जीवन में मजबूती आएगी। रिश्तों में विश्वास बढ़ेगा और परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में धीरे-धीरे लेकिन लगातार प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और भविष्य की योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए समय शुभ रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। धैर्य और अनुशासन बनाए रखने से आपके सभी प्रयास सफल होंगे और आने वाले समय में बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे।

मकर। आज अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करें। दूसरों से बिना बताए आपकी बात समझ लेने की उम्मीद करना उचित नहीं होगा। परिवार के साथ समय बिताने से रिश्ते मजबूत होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का उचित सम्मान मिलेगा और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ लिए गए निर्णय भविष्य में लाभदायक सिद्ध होंगे।

कुंभ। जुलाई का यह समय आपके जीवन में नई शुरुआत और नए अवसरों का संकेत दे रहा है। आज आप हर कार्य में नई ऊर्जा और उत्साह महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी रचनात्मक सोच और मेहनत की सराहना होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी तथा आय बढ़ने के संकेत हैं। परिवार का वातावरण सुखद रहेगा और मित्रों का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए समय शुभ रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आत्मविश्वास बनाए रखें और नए अवसरों का पूरा लाभ उठाने का प्रयास करें।

मीन। आज करियर की गति तेज होगी और कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान तथा प्रभाव बढ़ेगा। वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य से प्रभावित होंगे और नई जिम्मेदारियां सौंप सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा आय के नए स्रोत बनने की संभावना है।

परिवार का सहयोग मिलेगा और घरेलू वातावरण खुशहाल रहेगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। आत्मविश्वास, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे तो सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेगी।

300 से अधिक आवंटियों ने अपने फ्लैट को 5 से 7 हजार रुपए प्रति माह पर किराए पर दे दिया

लाइट हाउस में फ्लैट लेकर 300 लोगों ने किराए पर दिया, 232 को नोटिस

रांची। धुर्वा पंचमुखी मंदिर के पीछे स्थित लाइट हाउस प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत जिन लाभुकों को फ्लैट आवंटित किया गया था,उसमें से सैकड़ों लोगों ने स्वयं रहने के बजाय फ्लैट को किराये पर दे दिया। 300 से अधिक आवंटियों ने अपने फ्लैट को 5 से 7 हजार रुपए प्रति माह पर किराए पर दे दिया है।

इसकी सूचना मिलने के बाद निगम ने जब जांच कराई तो 232 आवंटियों को चिन्हित किया गया, जिन्होंने अपने फ्लैट को किराए पर दे दिया है। इसके बाद निगम ने संबंधित लाभुकों को नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे के अंदर उक्त फ्लैट में स्वयं रहने का साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए कहा है। चिन्हित आवंटियों को फ्लैट में स्वयं रहने का प्रमाण देना होगा। ऐसा नहीं करने पर उनके फ्लैट का आवंटन रद कर दिया जाएगा।

इसके बाद लाभुकों द्वारा जमा की गई राशि भी वापस नहीं की जाएगी। क्योंकि, फ्लैट आवंटन की शर्तों का उल्लंघन करने पर आवंटन रद करने के साथ राशि जब्त करने का प्रावधान है। निगम की इस कार्रवाई के बाद लाइट हाउस के फ्लैट आवंटियों में हड़कंप मच गया है। कई लोग आनन-फानन में फ्लैट में शिफ्ट करने लगे हैं। किरायेदार को फ्लैट खाली करने का दवाब बना रहे हैं।

1008 फ्लैट यहां तैयार किए गए हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत रांची के आनी मौजा में लाइट हाउस प्रोजेक्ट का निर्माण कराया गया था। रांची में करीब 5 एकड़ जमीन पर 131 करोड़ से 1008 फ्लैट को नई तकनीक के साथ तैयार किया गया है। 8 मंजिल वाले कुल 6 टावर बनाए गए हैं। एक फ्लैट की लागत 13.29 लाख रुपए है। इसमें 6.50 लाख रुपए केंद्र व राज्य सरकार ने सब्सिडी दी है। शेष 6.79 लाख लाभुकों ने बैंक से होम लोन लेकर दिया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के आवंटित सभी फ्लैटों की होगी जांच

नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने सभी प्रोजेक्ट के फ्लैटों की जांच का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि योजना का दुरुपयोग, आवंटित फ्लैटों को अवैध रुप से किराए पर लगाना या किसी भी प्रकार के नियम उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भविष्य में जांच जारी रहेगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

लाइट हाउस के फ्लैटों की अभी तक रजिस्ट्री नहीं हुई है। क्योंकि, जिस जमीन पर लाइट हाउस का निर्माण किया गया है उसका न तो खतियान है न मालगुजारी रसीद। जिला अवर निबंधक ने फ्लैट की रजिस्ट्री के लिए निगम को कई बार पत्र लिखकर कागजात उपलब्ध कराने के लिए कहा,लेकिन कागजात नहीं मिले। इसके बाद निबंधन महानिरीक्षक को पत्र लिखकर फ्लैटों की रजिस्ट्री करने पर मार्गदर्शन मांगा गया,लेकिन वहां से भी कोई जवाब नहीं आया। इस वजह से एक भी फ्लैट की रजिस्ट्री नहीं हुई। इसके बावजूद कई फ्लैट के लाभुकों ने सादे कागज पर ही अपने फ्लैट बेच दिए। हालांकि, इसकी कोई कानूनी वैधता नहीं है।

लाइट हाउस में फ्लैट लेने वाले 300 से अधिक लोगों ने अपने फ्लैट को क्रिकेट एकेडमी के खिलाड़ियों को किराए पर दे दिया तो किसी ने वाहन चालकों को। किसी ने फ्लैट में किराने की दुकान खोल ली तो कोई अवैध धंधा करने वालों को फ्लैट देकर मोटा कमाई कर रहा है। इससे लाइट हाउस में रहने वाली 350 से अधिक परिवार परेशान हैं। वहां के निवासियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि सभी तरह की गलत हरकत यहां होती है। किराये पर फ्लैट देने से ही ऐसी स्थिति हुई है।

फुटपाथ दुकानदारों ने घेरा नगर निगम, प्रदर्शन कर मांगा अधिकार

रांची। रांची नगर निगम की ओर से पूरे शहर में चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के खिलाफ फुटपाथ दुकानदारों का आक्रोश अब सड़क पर आ गया। मंगलवार को सैकड़ों फुटपाथ दुकानदारों ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक होते हुए निगम कार्यालय तक मार्च किया। दुकानदारों ने निगम कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन करने के बाद लोकभवन के सामने धरना दिया।

सभा को संबोधित करते हुए भाकपा के राज्य सचिव महेंद्र पाठक ने कहा कि गरीबों की रोजी-रोटी पर बुलडोजर चलाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के विपरीत है। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निगम स्ट्रीट वेंडर्स कानून और न्यायालय के निर्देशों की अनदेखी कर रहा है। एटक के महासचिव अशोक यादव ने कहा कि यह लड़ाई केवल रोजगार की नहीं, बल्कि पथ विक्रेताओं के सम्मान

और संवैधानिक अधिकारों की भी है। चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं रुकी तो राज्यव्यापी आंदोलन होगा। मौके पर विकास वर्मा, संदीप वर्मा, संतोष रजक, मनोज महतो सहित सैकड़ों फुटपाथ दुकानदार शामिल हैं।

फुटपाथ दुकानदारों की ने रखी प्रमुख मांगें

स्ट्रीट वेंडर्स (जीविका संरक्षण एवं पथ विक्रय विनियमन) अधिनियम, 2014 का पूरी तरह पालन किया जाए ।

शहर के सभी क्षेत्रों में चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान पर तत्काल रोक लगाई जाए।

फुटपाथ दुकानदारों का सर्वे कराकर उन्हें पहचान पत्र और वेंडिंग प्रमाण पत्र जारी किया जाए।

टाउन वेंडिंग कमेटी गठन करके उसका संचालन किया जाए,ताकि फुटपाथियों की मांगों को उचित फोरम में रखा जा सके।

फुटपाथ दुकानदारों के प्रदर्शन से रातू रोड व रेडियम रोड में जाम

फुटपाथ दुकानदारों के प्रदर्शन की वजह से सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक पूरे शहर की ट्रैफिक अस्त-व्यस्त हो गई। लोकभवन से कचहरी चौक, कचहरी रोड, अल्बर्ट एक्का चौक से मेन रोड,सर्कुलर रोड में अचानक वाहनों का दवाब बढ़ गया और जाम लग गया। इसका असर दूसरे रूट पर भी पड़ा। रातू रोड फ्लाईओवर, रेडियम रोड, कोर्ट कंपाउंड रोड सहित अन्य रूट पर वाहन रेंगते रहे। इस दौरान ट्रैफिक पुलिस भी हांफते दिखी।

दिशोम गुरु पद्म भूषण शिबू सोरेन के नाम पर शहीदों के बच्चों के लिए बनेगा पुलिस आवासीय विद्यालय

रांची। दिशोम गुरु पद्म भूषण शिबू सोरेन के नाम पर जल्दी ही पुलिस आवासीय विद्यालय बनेगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बतौर शिक्षा मंत्री इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसका निर्माण रांची के रिंग रोड स्थित झारखंड जगुआर (एसटीएफ) परिसर में होगा। मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद शिक्षा विभाग ने आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जल्दी ही इसे कैबिनेट में पेश किया जाएगा। वहां से मंजूरी मिलने के बाद इसका निर्माण शुरू हो जाएगा। इस पर करीब 34 करोड़ रुपए खर्च होने की उम्मीद है।

इस स्कूल में राज्य के शहीद सैनिक-अर्धसैनिक बलों और पुलिसकर्मियों के बच्चों को विश्वस्तरीय आवासीय सुविधा के साथ शिक्षा दी जाएगी। स्कूली शिक्षा विभाग का कहना है कि झारखंड राज्य के निर्माण में और उसके बाद भी वीर शहीदों के संघर्ष और बलिदान का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

शहीद जवानों के बलिदान के सम्मान में उनके परिवार के सदस्यों का मनोबल बढ़ाने, हिम्मत और धैर्य के साथ मजबूत होकर परिवार को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने यह योजना बनाई है। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की तर्ज पर इस संस्थान में बच्चों को पूरी तरह से मुफ्त आवासीय और भोजन की सुविधाएं मिलेंगी।

बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इस मॉडल आवासीय विद्यालय में कक्षा 1 से 12वीं तक की पढ़ाई की व्यवस्था होगी। रांची जगुआर परिसर में यह विद्यालय छह एकड़ में बनेगा। जगुआर परिसर के गेट नंबर 2 से विद्यालय परिसर तक का रास्ता एवं पार्किंग के लिए स्थान चिह्नित किया गया है।

टेरर फंडिंगः माओवादी चंदन के खिलाफ एनआईए की तीसरी सप्लीमेंट्री चार्जशीट

रांची। झारखंड और बिहार में नक्सलियों के आर्थिक तंत्र को ध्वस्त करने में जुटी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। टेरर फंडिंग और माओवादी संगठनों को पुनर्जीवित करने के मामले में एनआईए ने रांची स्थित विशेष अदालत में छठे आरोपी, माओवादी चंदन कुमार के विरुद्ध तीसरा पूरक आरोप पत्र दाखिल कर दिया है।

मूल रूप से बिहार के जहानाबाद जिले का रहने वाला चंदन कुमार प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के मगध जोन को फिर से सक्रिय करने और ठेकेदारों से जबरन भारी-भरकम लेवी वसूलने के सिंडिकेट में मुख्य भूमिका निभा रहा था। इस हाई-प्रोफाइल मामले में एनआईए पांच आरोपितों के खिलाफ पहले ही चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। माओवादी चंदन कुमार कानून की आंखों में धूल झोंकने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। एनआईए की रांची स्थित विशेष अदालत ने उसे फरार घोषित कर दिया था और अक्टूबर 2023 में उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। लगातार पीछा कर रही एनआईए की टीम ने आखिरकार जनवरी 2026 में उसे महाराष्ट्र से गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा।

जांच में यह भी सामने आया है कि वह अपनी साजिश को अंजाम देने के लिए अलग-अलग जेलों में बंद खूंखार नक्सलियों और उनके मददगार ओवर ग्राउंड वर्कर्स से भी संपर्क साधने की बड़ी योजना पर काम कर रहा था। इस पूरे नेक्सस को लेकर एनआईए की तफ्तीश अभी जारी है। एनआईए ने इस पूरे नेटवर्क का भंडाफोड़ करने के लिए दिसंबर 2021 में रांची शाखा में (कांड संख्या आरसी-05/2021/एनआइए/आ रएनसी) मामला दर्ज किया था। एनआईए की जांच में यह खुलासा हुआ कि चंदन कुमार मगध क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों को तेज करने के लिए फंड जुटा रहा था। वह हिंसा के रास्ते संगठन की विचारधारा को फैलाने के लिए पुराने और निष्क्रिय हो चुके कैडरों को दोबारा नक्सली संगठन में शामिल होने के लिए उकसा रहा था।

सीआईडी ने रिम्स प्रबंधन से चार छात्रों के नामांकन पर जवाब मांगा

रांची। सीआईडी ने 24 जून को रिम्स में वर्ष 2025 में एमबीबीएस और बीडीएस में फर्जी प्रमाण पत्र मामले और टेंडर में हुई गड़बड़ी को लेकर छापेमारी की थी। अब इस मामले में सीआईडी ने रिम्स प्रबंधन से एमबीबीएस के तीन और बीडीएस के एक स्टूडेंट्स के संबंध में जवाब मांगा है।

जिन स्टूडेंट्स के संबंध में सीआईडी की ओर से जवाब मांगा गया है उनमें 2025 में एमबीबीएस में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स काजल कुमारी, आशीष कुमार, पप्पू कुमार और बीडीएस में एडमिशन लेने वाली छात्रा ओली विश्वकर्मा शामिल है। इन छात्रों के जाति व विकलांगता प्रमाण पत्र

जांच के लिए संबंधित जिलों को भेजे गए हैं।

सफाई व्यवस्था के टेंडर मामले में भी मांगा जवाब

सीआईडी ने रिम्स प्रबंधन से मुख्य अस्पताल भवन, सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक, हॉस्टल व ट्रामा सेंटर में सैनिटेशन, हाउसकीपिंग और बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट के लिए हुए टेंडर से जुड़े सभी कागजात व प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी मांगी है। क्योंकि इस मामले में यह आरोप लगा है कि वर्ष 2025 में हुए टेंडर मामले में तकनीकी व वित्तीय रूप से अयोग्य होने के बाद भी उत्तर प्रदेश की तीन कंपनियों को पात्र घोषित किया गया। जिस समय यह टेंडर हुआ ?उस दौरान रिम्स के तत्कालीन निदेशक डॉ. राजकुमार थे। रिम्स में सीआईडी की छापेमारी के बाद डॉ. राजकुमार ने इस्तीफा दे दिया था। मामले में भी सीआईडी गहनता से जांच कर रही है। मामले में गड़बड़ी निकलती है तो सीआइडी में केस दर्ज हो सकता है।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

			4	3	1
	1			6	
3	5	6			4
	4			5	6
					2
6	4				

पिछले अंक का उत्तर

6	5	7	9	4	1	2	3	8
1	2	3	6	5	8	9	4	7
8	9	4	2	3	7	6	5	1
7	6	5	1	2	3	4	8	9
2	3	1	8	9	4	5	7	6
9	4	8	7	6	5	1	2	3
5	1	2	3	7	6	8	9	4
3	8	9	4	1	2	7	6	5
4	7	6	5	8	9	3	1	2

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

खूंटी-देवघर में 1.21 करोड़ की अवैध निकासी की भी जांच करेगा सीआईडी

रांची। झारखंड में हुए ट्रेजरी घोटाले में अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। सीआईडी ने अब खूंटी और देवघर जिले में हुए 1.21 करोड़ रुपए की अवैध निकासी मामले को भी टेकओवर कर लिया है। रांची स्थित सीआईडी थाने में 13 जुलाई को दोनों मामलों की एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही सीआईडी के पास अब ट्रेजरी घोटाले से जुड़े सात केस दर्ज हो चुके हैं। खूंटी जिले का मामला सारिदकेल तोरपा स्थित एसआईआरबी-02 वाहिनी मुख्यालय की लेखा शाखा में 22.69 लाख रुपए की अवैध निकासी का है। वहीं देवघर जिले के सरवां स्थि ?त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी करीब 99 लाख रुपए की अवैध वेतन निकासी की गई है। इन दोनों मामलों की जांच पहले पुलिस कर रही थी। जिसे अब सीआईडी ने टेकओवर कर जांच शुरू कर दी है। इससे पहले सीआईडी बोकारो एसपी ऑफिस, हजारीबाग एसपी ऑफिस, चाईबासा एसपी ऑफिस, रांची में पशुपालन विभाग और रामगढ़ में हुई अवैध निकासी मामले की जांच कर रही है।

स्पेन 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में:फ्रांस को 2-0 से हराया; ओयारजाबाल ने पेनल्टी पर गोल किया, पोरो ने बढ़त दोगुनी की

डलास। स्पेन 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। टीम ने पहले सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराकर दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। डलास स्टेडियम में मिकेल ओयारजाबाल ने 22वें मिनट में पेनल्टी पर पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने गोल दागकर स्पेन की जीत पक्की कर दी।

स्पेन 2010 के बाद फाइनल खेलेगा। तब टीम ने फाइनल में नीदरलैंड को 1-0 से हराकर अपना इकलौता वर्ल्ड कप जीता था। वहीं, फ्रांस 2018 और 2022 के बाद लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने से रह गया।

स्पेन को 22वें मिनट में पेनल्टी मिली। फ्रांस के डिफेंडर लुकास डिग्ने ने बॉक्स के अंदर लामिन यमाल पर फाउल कर दिया। इसके बाद रेफरी ने पेनल्टी दे दी। मिकेल ओयारजाबाल ने गेंद को गोलपोस्ट के दाएं कोने में भेज दिया। इसके साथ ही स्पेन ने 1-0 की बढ़त बना ली। यह ओयारजाबाल का टूर्नामेंट में पांचवां गोल रहा।

दूसरे हाफ में फ्रांस बराबरी की कोशिश करता रहा, लेकिन 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने दानी ओल्मो के शानदार पास पर गोल कर स्पेन की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और फ्रांस को कोई बड़ा मौका नहीं दिया।

पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे किलियन एम्बाप्पे इस मुकाबले में स्पेन की मजबूत डिफेंस के सामने असर नहीं छोड़ सके। उन्हें कई बार ऑफसाइड मिला और दूसरे हाफ में येलो कार्ड भी मिला। फ्रांस 2018 और 2022 के बाद लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल खेलने का मौका गंवा बैठा।

दोनों टीमों की स्टार्टिंग-11:

फ्रांस: माइक मैग्नन, लुकास डिग्ने, दायोत उपामेकानो, जूल्स कौंडे, विलियम सलीबा, ऑरेलियन चुआमेनी, एड्रियन रैबियो, उस्मान डेम्बेले (कप्तान), किलियन एम्बापे, माइकल ओलीसे, ब्रैडली बारकोला।

स्पेन: उनाई सिमोन, पेड्रो पोरो, अयमेरिक लापोर्टे, पाउ क्यूबार्सी, मार्क कुकुरेला, फैबियन रुइज, एलेक्स बेना, रोड्री (कप्तान), दानी ओल्मो, लामिन यमाल, मिकेल ओयारजाबाल।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स 130 अंक चढ़कर 77,185 पर बंद, निफ्टी 24,079 के स्तर पर; एनर्जी और सीमेंट शेयरों में खरीदारी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार ने मंगलवार, 15 जुलाई को हल्की बढ़त के साथ कारोबार समाप्त किया। दिनभर उतार-चढ़ाव के बीच निवेशकों की खरीदारी से सेंसेक्स 130 अंक की तेजी के साथ 77,185 पर बंद हुआ। वहीं, राष्ट्रीय शेयर बाजार (एनएसई) का निफ्टी भी 26 अंक चढ़कर 24,079 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में एनर्जी और सीमेंट सेक्टर के शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली, जबकि आईटी और मेटल कंपनियों के शेयरों पर बिकवाली का दबाव बना रहा।

विश्लेषकों के अनुसार घरेलू निवेशकों की खरीदारी और चुनिंदा सेक्टरों में मजबूत मांग ने बाजार को सहारा दिया। हालांकि वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण निवेशकों ने सतर्क रुख बनाए रखा। बाजार में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी मिश्रित रुझान देखने को मिला।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार तेजी बनी हुई है। ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 1 प्रतिशत बढ़कर 85 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं, जिसका असर वैश्विक बाजारों पर भी दिखाई दे रहा है।

प्राथमिक बाजार में भी निवेशकों की रुचि बनी हुई है। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट और अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड के आईपीओ का दूसरा दिन रहा। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का 9,813 करोड़ रुपये का आईपीओ पहले ही दिन 68 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुका है, जबकि अल्पाइन टेक्सवर्ल्ड 126.25 करोड़ रुपये जुटाने के उद्देश्य से बाजार में उतरी है।

सोना 112 घटकर 1.42 लाख पर आया: चांदी 416 बढ़कर 2.20 लाख किलो पर पहुंची, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली। सोने के दाम में आज यानी 15 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 112 रुपए घटकर 1.42 लाख रुपए पर आ गया है। वहीं एक किलो चांदी 416 रुपए बढ़कर 2.20 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

सोना इस साल 9 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी की कीमत में 10 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.20 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट की वजह

मजबूत अमेरिकी डॉलर: फेडरल रिजर्व के संकेतों के बाद वैश्विक बाजार में अमेरिकी डॉलर इंडेक्स मजबूत हुआ है। आमतौर पर जब डॉलर मजबूत होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें गिरती हैं।

मुनाफावसूली: पिछले कुछ समय पहले सोने और चांदी की कीमतें अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी थीं। दामों में इतनी बड़ी तेजी आने के बाद बड़े निवेशकों और ट्रेडर्स ने मुनाफावसूली की, जिससे कीमतों में गिरावट आई है।

सोने-चांदी में एकमुश्त निवेश से बचें

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

बुमराह मुंबई इंडियंस के कप्तान बन सकते हैं:पंड्या को दूसरी टीम से बदलने की संभावना; अगले हफ्ते रिव्यू मीटिंग में फैसला

मुंबई। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस के अगले कप्तान बन सकते हैं। हार्दिक पंड्या और टीम में शामिल एक पूर्व भारतीय कप्तान ट्रेड हो सकते हैं। हेड कोच महेला जयवर्धने समेत कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव हो सकता है।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इन सभी मुद्दों पर अंतिम फैसला अगले हफ्ते इंग्लैंड में होने वाली रीव्यू मीटिंग में लिया जा सकता है। बैठक में अंबानी परिवार और फ्रेंचाइजी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

पिछले 5 सीजन में मुंबई का प्रदर्शन खराब रहा है। टीम पिछले सीजन में 4 मैच जीतकर 8 अंकों के साथ 9वें स्थान पर रही थी।

मुंबई इंडियंस ने अपना पिछला ट्रॉफी टाइटल 2020 में रोहित शर्मा की कप्तानी में जीता था। फाइनल में दिल्ली को 5 विकेट से हराया था।

फ्रेंचाइजी ने 27 नवंबर 2023 को हार्दिक पंड्या को ट्रेड करके अपने साथ जोड़ा और फिर कप्तान बनाया था। लेकिन पंड्या की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन नहीं सुधरा। ड्रेसिंग रूम में अनबन की स्थिति बनी और कुछ रिपोर्ट्स में गुटबाजी की बातें भी सामने आईं। हालांकि, इस पर टीम या मैनेजमेंट ने कुछ नहीं कहा।

ड्रेसिंग रूम में अनबन और लगातार बदलती रणनीतियों का असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ा। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई ने 39 मैच खेले हैं, लेकिन 15 में ही जीत हासिल की है।

जसप्रीत बुमराह कप्तानी की रेस में सबसे आगे

मुंबई इंडियंस 2027 सीजन के लिए स्थायी कप्तान बनाना चाहती है। टीम अस्थायी या कामचलाऊ कप्तान के साथ आगे नहीं बढ़ना चाहती। कप्तानी की रेस में जसप्रीत बुमराह सबसे आगे हैं। पिछले तीन सीजन में उनका प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है।

बुमराह ने IPL 2026 में हार्दिक और सूर्या की गैरमौजूदगी में पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम की कमान संभाली है। उस समय उन्होंने कहा था, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुंबई इंडियंस की कप्तानी करने से पहले मैं भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बन जाऊंगा।'

बुमराह के अलावा तिलक वर्मा का नाम भी चर्चा में है, लेकिन टी-20 में उनकी हालिया फॉर्म अच्छी नहीं रही। माना जा रहा है कि कम उम्र में कप्तानी मिलने से उनकी बल्लेबाजी पर असर पड़ सकता है।

लॉर्ड्स की 'क्वीन' बनीं वडोदरा की यास्तिका:शतक के बाद बोलीं- पापा, बैट उठाया तो आप सब सामने दिख रहे थे

लॉर्ड्स के 142 साल के इतिहास में खेले गए पहले महिला टेस्ट में भारत की जीत की हीरो रहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया के लिए यह शतक सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि पूरे परिवार का सपना पूरा होने जैसा था। तीसरी पारी में 158 गेंद पर 113 रन की पारी खेलने के बाद जब यास्तिका ने बैट उठाकर जश्न मनाया तो उनकी आंखों के सामने माता-पिता, बहन और दिवंगत दादाजी की तस्वीर थी।

मैच के बाद उन्होंने पिता से फोन पर कहा, 'पापा, जब मैंने बैट उठाया तो मुझे आप चारों और दादाजी दिख रहे थे, ऐसा लगा जैसे वे मुझे आशीर्वाद दे रहे हों।' यास्तिका के पिता हरीश भाटिया ने बातचीत में बताया कि जब बेटी 91 रन पर थी और लंच ब्रेक हुआ, तब वे मंदिर पहुंचे और भगवान से सिर्फ एक ही प्रार्थना की- 'भगवान,

आज इसकी सेंचुरी पूरी करवा देना।' उनका कहना है कि चोट से वापसी के बाद यह शतक यास्तिका के आत्मविश्वास के लिए बेहद जरूरी था। जैसे ही वह 99 रन पर पहुंची, पूरे परिवार की धड़कनें तेज हो गईं और शतक पूरा होते ही सभी की आंखों से खुशी के आंसू निकल पड़े।

वाशिंगटन सुंदर बोले-इंग्लैंड के खिलाफ फिफ्टी का क्रेडिट गंभीर को:उन्होंने ही राहुल से पहले बैटिंग के लिए भेजा, वे मेरा रोल बेहतर समझते हैं

बर्मिंघम। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच विनिंग पारी का श्रेय गौतम गंभीर को दिया है। पहले वनडे में केएल राहुल की जगह नंबर-5 पर उतरे वॉशिंगटन ने अक्षर पटेल (57*) के साथ छठे विकेट के लिए 102 रन की नाबाद साझेदारी कर भारत को छह विकेट से जीत दिलाई।

नाबाद 52 रन बनाने वाले सुंदर ने जीत के बाद कहा- गौती भाई ने बल्लेबाजी में अपनी क्षमता पहचानने में मेरी मदद की। उन्होंने समझाया कि मैं बैट से टीम के लिए क्या योगदान दे सकता हूं। साथ ही आशीष नेहरा ने भी मुझे अपने खेल और खुद को बेहतर तरीके से समझने में काफी मदद की।'

हर रोल रोमांचक और चुनौतीपूर्णमैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुंदर ने कहा- 'अलग-अलग भूमिकाएं निभाना मेरे लिए रोमांचक है। हर खिलाड़ी को ऐसा मौका नहीं मिलता। मैं कोशिश करता हूं कि

टीम जिस स्थिति में मुझे उतारे, वहां अपनी भूमिका निभाकर जीत में योगदान दूं।'

ऑलराउंडर टीम की सबसे बड़ी ताकतवॉशिंगटन का मानना है कि किसी भी टीम के लिए ज्यादा ऑलराउंडर होना बड़ी ताकत होती है। उन्होंने कहा, 'अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने के लिए आपके पास कई विकल्प रहते हैं। दुनिया भर में अलग-अलग हालात में क्रिकेट खेलना पड़ता है, इसलिए ऑलराउंडर टीम का संतुलन मजबूत करते हैं।'

गिल, अक्षर और गुरनूर मैच विनर्स सुंदर ने कहा- 'पिच पर शुरुआत में थोड़ी मदद थी। शुभमन ने शानदार बल्लेबाजी की और श्रेयस अय्यर के साथ अहम साझेदारी की। अक्षर ने सही समय पर बाउंड्री लगाकर मैच आसान बना दिया। 'गुरनूर हमेशा अपना बेस्ट देते हैं। मैंने उन्हें करीब से देखा है। उनमें बेहतरीन जज्बा है और बड़े मौकों पर वह जिम्मेदारी निभाते हैं। आज भी उन्होंने अहम विकेट लेकर जीत में बड़ी भूमिका निभाई।'

डोपिंग से बचने ष्टस्ष्टर ने 200 क्रिकेटरों को बताए नियम: प्रतिबंधित दवाओं और सप्लीमेंट की पहचान से लेकर टेस्टिंग प्रक्रिया तक दी गई जानकारी

रायपुर। मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ी अक्सर डॉक्टर या ट्रेनर की सलाह पर दवाएं और न्यूट्रिशन सप्लीमेंट लेते हैं। लेकिन कई बार इन्हीं में मौजूद प्रतिबंधित तत्व खिलाड़ी को अनजाने में डोपिंग के मामले में फंसा सकते हैं।

इसी जोखिम से खिलाड़ियों को बचाने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ ने मंगलवार को रायपुर के होटल मैरियट में एंटी-डोपिंग सेमिनार आयोजित किया।

सेमिनार में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी की विशेषज्ञ डॉ. नेहा सिंह ने करीब 200 खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को एंटी-डोपिंग नियमों की जानकारी दी। इसमें पुरुष और महिला वर्ग के विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ी शामिल हुए।

डॉ. नेहा सिंह ने खिलाड़ियों को बताया कि कौन-सी दवाएं, सप्लीमेंट और खाद्य पदार्थ डोपिंग नियमों के दायरे में आ सकते हैं। साथ ही यह भी समझाया कि कोई भी दवा लेने से पहले उसकी जानकारी कैसे जांची जाए और किन सावधानियों का पालन करना जरूरी है।

NADA के अनुसार कोई भी न्यूट्रिशन सप्लीमेंट 100% सुरक्षित नहीं माना जा सकता। कई सप्लीमेंट में प्रतिबंधित पदार्थ मिले होने या गलत लेबलिंग के मामले सामने आते रहे हैं।

एंटी-डोपिंग नियमों में 'स्ट्रिक्ट लाइबिलिटी' का सिद्धांत लागू होता है। यानी खिलाड़ी के शरीर में प्रतिबंधित पदार्थ मिलने पर उसकी जिम्मेदारी खुद खिलाड़ी की होती है, चाहे वह अनजाने में ही क्यों न पहुंचा हो।

NADA का कहना है कि, खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को समय-समय पर एंटी-डोपिंग शिक्षा देना उसके प्रमुख उद्देश्यों में शामिल है। एजेंसी खिलाड़ियों को प्रतिबंधित दवाओं, टेस्टिंग प्रक्रिया, खिलाड़ियों के अधिकार और जिम्मेदारियों, सुरक्षित खेल संस्कृति के बारे में लगातार जागरूक करती है।

सेमिनार में खिलाड़ियों को NADA के ' नो योर मेडिसिन ' प्लेटफॉर्म की जानकारी भी दी गई, जहां दवाओं की प्रतिबंधित स्थिति की जांच की जा सकती है। हालांकि NADA यह भी स्पष्ट करता है कि आयुर्वेदिक, हर्बल और अन्य सप्लीमेंट के मामले में भी पूरी सावधानी जरूरी है, क्योंकि उनमें भी प्रतिबंधित तत्व हो सकते हैं।

क्रिकेट में डोपिंग के मामले कम जरूर सामने आते हैं, लेकिन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती सख्ती को देखते हुए अब राज्य क्रिकेट संघ भी खिलाड़ियों को शुरुआती स्तर से ही जागरूक कर रहे हैं, ताकि कोई खिलाड़ी जानकारी के अभाव में अपने करियर को जोखिम में न डाल बैठे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जनसंख्या स्थिरीकरण एवं बालिका संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

परिवार नियोजन, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और लैंगिक समानता का दिया संदेश

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जांजगीर-चांपा जिले के एकीकृत बाल विकास परियोजना बलौदा के सेक्टर जर्वे-बी स्थित डंगनियापारा आंगनबाड़ी केंद्र में जनसंख्या स्थिरीकरण एवं बालिकाओं के संरक्षण विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को परिवार नियोजन, संतुलित जनसंख्या वृद्धि, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा और संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि से शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार सहित विभिन्न बुनियादी संसाधनों पर दबाव बढ़ता है, जिससे समग्र मानव विकास प्रभावित होता है। इस अवसर पर लैंगिक समानता और छोटे एवं स्वस्थ परिवार की अवधारणा को अपनाने का भी आह्वान किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को जनसंख्या नियंत्रण, संसाधनों के संतुलित उपयोग तथा परिवार नियोजन के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही संतुलित एवं पौष्टिक आहार, जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रभावी उपायों तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, किशोरी बालिकाओं, महिलाओं तथा परियोजना के पर्यवेक्षकों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की।

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा आज, घर-आंगन में अपनाएं ये वास्तु उपाय, बढ़ेगा सुख-समृद्धि का संचारः वास्तु एक्सपर्ट

भगवान जगन्नाथ की पावन रथयात्रा आज पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली जाएगी। इस अवसर पर भक्त भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा के दर्शन कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना करेंगे। वास्तु एक्सपर्ट राणा सिकंदर सिंह के अनुसार रथयात्रा का दिन घर और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का विशेष अवसर होता है। इस दिन मुख्य द्वार और पूजा स्थल की विशेष सफाई कर रंगोली एवं आम के पत्तों का तोरण लगाने से शुभ ऊर्जा का प्रवेश होता है। भगवान जगन्नाथ को पीले फूल, तुलसी दल और गुड़-चना अर्पित कर परिवार की खुशहाली की प्रार्थना करनी चाहिए।

रथयात्रा पर अपनाएं ये वास्तु उपाय

वास्तु एक्सपर्ट राणा सिकंदर सिंह बताते हैं कि रथयात्रा के दिन घर के मुख्य द्वार पर हल्दी और कुमकुम से स्वस्तिक बनाएं। पूजा कक्ष में घी का दीपक जलाएं और भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा या चित्र को पूर्व दिशा की ओर स्थापित कर पूजा करें। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा, सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है।

मिलेगा भगवान का विशेष आशीर्वाद

रथयात्रा के दिन भगवान जगन्नाथ को तुलसी दल, खिचड़ी, गुड़ और मौसमी फल का भोग लगाना अत्यंत शुभ माना जाता है। वास्तु एक्सपर्ट राणा सिकंदर सिंह के अनुसार इस दिन गरीबों को भोजन, जल और वस्त्र का दान करने से आर्थिक उन्नति, पारिवारिक सुख और जीवन की बाधाओं से मुक्ति मिलने की मान्यता है।

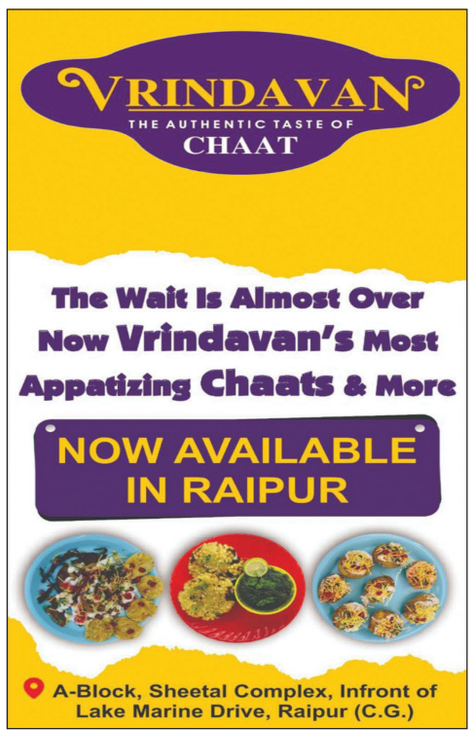

विधानसभा परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम 3.0' अभियान के तहत हुआ वृंहद पौधरोपण

सीएम विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने लगाया रुद्राक्ष का पौधा

लोकतंत्र के मंदिर से पर्यावरण संरक्षण और मातृ सम्मान का सशक्त संदेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पावस सत्र के दौरान आज विधानसभा परिसर हरियाली, जनभागीदारी और मातृ सम्मान के भाव से सराबोर नजर आया। श्एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान के अंतर्गत आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप सहित विधानसभा के सभी सदस्यों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया। यह संकल्प केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रकृति के संरक्षण, मातृत्व के सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं हरित भविष्य के निर्माण का सामूहिक संकल्प बनकर उभरा। कार्यक्रम के दौरान सभी जनप्रतिनिधियों ने अभियान के लिए तैयार विशेष सेल्फी प्वाइंट पर तस्वीरें भी खिंचवाईं तथा प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रुद्राक्ष का पौधा लगाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रारंभ हुआ श्एक पेड़ मां के नामश् अभियान आज पूरे देश में जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है। यह अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपनी मां के प्रति कृतज्ञता, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और आने वाली पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति अपनी मां के नाम पर पौधा लगाता है तो उस पौधे के साथ उसका भावनात्मक रिश्ता भी जुड़ जाता है और वह उसके संरक्षण के लिए स्वयं प्रेरित होता है। यही भाव इस अभियान को स्थायी, प्रभावी और जनभागीदारी आधारित बनाता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में विधायकों द्वारा अपनी माताओं के नाम पर पौधारोपण किया जाना अत्यंत प्रेरणादायी पहल है। विधानसभा परिसर से दिया गया यह संदेश निश्चित रूप से पूरे प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई जागरूकता उत्पन्न करेगा। उन्होंने इस अभिनव आयोजन के लिए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल समाज में वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, अनियमित वर्षा, बढ़ते तापमान और जैव विविधता के क्षरण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन परिस्थितियों में वृक्षारोपण केवल पर्यावरणीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और भावी पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि वृक्ष पृथ्वी के संतुलन के आधार हैं। वे हमें शुद्ध वायु, जल संरक्षण, जैव विविधता का संरक्षण और स्वस्थ पर्यावरण प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल भी उसी आत्मीयता से करनी चाहिए, जिस भाव से वह अपने परिवार के किसी सदस्य की देखभाल करता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। प्रदेश में वन संरक्षण, हरित आवरण में वृद्धि, जल संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा जनभागीदारी आधारित पर्यावरणीय अभियानों को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्एक पेड़ मां के नाम 3.0श् अभियान प्रदेश के गांव-गांव, शहर-शहर और प्रत्येक परिवार तक पहुंचेगा तथा प्रकृति संरक्षण को सामाजिक दायित्व और जन आंदोलन का स्वरूप प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प ले, तो आने वाले वर्षों में उत्कृष्ट मॉडल बन सकता है।

कार्यक्रम में विधानसभा के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी माताओं के नाम पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684